mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-278 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
07 अक्टूबर 2024 सोमवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

रोहित शर्मा पत्नी...
@ पेज 7

नाम भले ही बाद में आया लेकिन भारत हिंदू राष्ट्र है

बारां (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदुओं से एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने हिंदू समाज से मतभेद

- **भागवत बोले-हिंदुओं को एकजुट रहना होगा, मतभेद-विवाद को भुलाना होगा**

और विवाद मिटाने का आह्वान किया। भागवत ने कहा कि हिंदू समाज को भाषा, जाति और प्रांत के मतभेद और विवाद मिटाकर अपनी सुरक्षा के लिए एकजुट होना होगा। उन्होंने हिंदू

समाज को एकता का संदेश दिया। समाज में एकता, सद्भावना और बंधन का भाव हो। संघ प्रमुख शनिवार शाम को बारां के कृषि उपज मंडी परिसर में स्वयंसेवकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज ऐसा हो जहां संगठन, सद्भावना और आत्मीयता का व्यवहार हो। समाज में आचरण का अनुशासन, राज्य के प्रति कर्तव्य और ध्येय निष्ठ होने का गुण आवश्यक है। मैं और मेरा परिवार मात्र से समाज नहीं बनता, बल्कि हमें समाज की सर्वांगीण चिंता से अपने जीवन में भगवान को प्राप्त करना है। संघ कार्य यंत्रवत नहीं, बल्कि विचार आधारित है।

झारखंड में चुनाव से पहले बीजेपी ने कर दिए 5 बड़े वादे

दो मुफ्त सिलेंडर, महिलाओं के लिए 'गोगो दीदी योजना, युवाओं के लिए भी खास ऐलान

रांची (एजेंसी)। झारखंड और महाराष्ट्र में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। झारखंड में अभी इंडिया गठबंधन की सरकार है। झारखंड विधान सभा चुनाव को बीजेपी काफी गंभीरता से ले रही है।

इस बीच झारखंड बीजेपी ने चुनाव से पहले 5 बड़ी योजनाओं को लागू करने का वादा किया है। बीजेपी ने अपनी घोषणा में सरकार बनने पर महिलाओं को कैश बेनिफिट, खाना पकाने के लिए गैस सिलेंडर, नौकरियां, बेरोजगारी भत्ता और आवास देने का वादा किया है। केंद्रीय मंत्री और झारखंड प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, झारखंड बीजेपी अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी इस दौरान मौजूद रहे। भाजपा 'गोगो दीदी योजना' शुरू करेगी, जिसके तहत हर महीने की 11 तारीख को झारखंड की प्रत्येक महिला के बैंक खाते में 2,100 रुपये तक की वित्तीय सहायता ट्रांसफर की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

देश में 2026-27 में रिटायर होंगे एक लाख अग्निवीर

- **इनमें से 42 फीसदी को शुरू हुई सरकारी नौकरी की तैयारी**

नई दिल्ली (एजेंसी)। अग्निवीरों के पहले लॉट से 2026-27 में रिटायर होने वाले जवानों में से 42 फीसदी को सरकारी नौकरियों में लिया जाएगा। यह संख्या उन 25 फीसदी अग्निवीरों से अलग हैं, जिन्हें सेना में समायोजित करना है। यानी सेना में

समायोजित होने से बचे हुए 75 फीसदी जवान केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में समायोजित होंगे। शुक्रवार को एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने 25 फीसदी से ज्यादा अग्निवीरों को भारतीय वायु सेना में शामिल करने की इच्छा जताई थी। अग्निवीरों के पहले लॉट का कार्यकाल 2026-27 में पूरा होगा। यह संख्या 1 लाख के करीब है। इनमें 25 हजार सेना में नियमित हो जाएंगे।

उत्तरप्रदेश में मायावती को उपचुनाव से पहले बड़ा झटका

- **अलीगढ़ में बसपा प्रत्याशी रहीं चारू केन कांग्रेस में शामिल**

अलीगढ़ (एजेंसी)। यूपी में होने वाली उपचुनाव से पहले बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती को बड़ा झटका लगा है। अलीगढ़ से बसपा की प्रत्याशी रहीं डॉ चारू केन ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया है। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने

चारू केन को पार्टी की सदस्यता दिलाई। चारू केन 2022 में अलीगढ़ की खैर सीट से बसपा की प्रत्याशी थीं और यहां उपविजेता रहीं थीं। चारू को 66 हजार से ज्यादा वोट मिले थे। चारू के कांग्रेस में शामिल होने से न सिर्फ बसपा का झटका लगा है बल्कि सपा में भी हलचल बढ़ गई है। अभी सपा-कांग्रेस में सीटों के बंटवारे को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ है।

कोलकाता में आर-पार के मूड में हैं जूनियर डॉक्टर्स

डेडलाइन खत्म होते ही आमरण अनशन कर दिया शुरू

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता स्थित आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से बलात्कार और उसकी हत्या के खिलाफ प्रदर्शन जारी है। इस मामले को लेकर जूनियर डॉक्टर्स ने शनिवार शाम को आमरण अनशन शुरू कर दिया। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार ने उनकी मांगें पूरी नहीं कीं। चिकित्सक कोलकाता के मध्य में स्थित धर्मतला इलाके में डोरीना क्रॉसिंग पर शुक्रवार को धरना पर बैठे थे। उन्होंने राज्य सरकार को वादे के अनुसार अपनी मांगें पूरी करने के लिए 24 घंटे का समय दिया था।

एक जूनियर डॉक्टर ने कहा, 'राज्य सरकार समय सीमा के भीतर हमारी मांगें पूरी करने में विफल रही, इसलिए हम

अपनी मांगें पूरी होने तक आमरण अनशन शुरू कर रहे हैं। इसमें पारदर्शिता बनाए रखने के लिए हमने उस मंच पर सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं, जहां हमारे साथी अनशन करेंगे। हम अपने वादे के अनुसार ड्यूटी पर जाएंगे लेकिन हम कुछ भी नहीं खाएंगे।'

उन्होंने बताया कि अभी 6 जूनियर डॉक्टर्स अनशन कर रहे हैं। इनमें कोलकाता मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की स्निग्धा हाजरा, तान्या पांजा और अनुष्टुप मुखोपाध्याय, एसएसकेएम के अर्नब मुखोपाध्याय, एन.आर.एस. मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के पुलस्थ आचार्य और के.पी.सी मेडिकल कॉलेज की सायंतनी घोष हाजरा शामिल हैं। जूनियर डॉक्टर्स ने कहा कि अगर अनशन के दौरान किसी चिकित्सक की तबियत खराब होती है तो इसके लिए राज्य सरकार जिम्मेदार होगी। उन्होंने कहा, 'हमें लोगों का समर्थन प्राप्त है और यही कारण है कि हम प्रशासन की किसी भी तरह की बाधा से नहीं डरते। जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं हम भूख हड़ताल जारी रखेंगे।' कनिष्ठ चिकित्सकों के विरोध स्थल पर शाम को बड़ी संख्या में आम लोग और कुछ मशहूर हस्तियां मौजूद थीं। जूनियर डॉक्टर्स ने पूर्ण कामबंदी वापस लेने के बाद अनशन शुरू किया है।

महाराष्ट्र में महायुति से रामदास अठावले खफा

- **कहा-17 लोकसभा सीटों की जीत में हिस्सेदारी हमारी, विधानसभा में भी हो हमारा सम्मान**

मुंबई/छत्रपति संभाजीनगर (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में महायुति के लिए 17 सीटें जीतने में

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया ने प्रमुख भूमिका निभाई है। फिर भी महाराष्ट्र में हमें नजरअंदाज किया जा रहा है। हमारी मांग है कि महायुति विधानसभा चुनाव में आरपीआई को 8 से 10 सीटें दे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार को अपने कोटे से तीन-तीन सीटें देनी चाहिए।

दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल बोले-हिम्मत है तो मोदी नवंबर में दिल्ली चुनाव कराएं

एनडीए शासित सभी राज्यों में मुफ्त बिजली देंगे तो मैं भाजपा के लिए करूंगा प्रचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और एएपी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि हिम्मत है तो नवंबर में महाराष्ट्र और झारखंड के साथ दिल्ली में भी विधानसभा चुनाव करके दिखाएं। हम चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। नहीं तो मान लें कि वे हार गए, डर गए। केजरीवाल ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री दिल्ली चुनाव से पहले एनडीए शासित 22 राज्यों में मुफ्त बिजली देने की घोषणा करेंगे तो मैं भाजपा के लिए प्रचार करूंगा। केजरीवाल ने दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में जनता की अदालत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। केजरीवाल बोले- हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में डबल इंजन सरकारें खत्म हो रहीं केजरीवाल ने कहा,

मैंने कल टीवी पर एग्जिट पोल देखा। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में भाजपा की डबल इंजन सरकारें खत्म हो रही हैं। पहला इंजन जून में फेल हुआ था, जब उन्हें 240 सीटें मिलीं। झारखंड और महाराष्ट्र में भी यही होगा। तब दूसरा इंजन भी फेल हो जाएगा। डबल इंजन सरकार का मतलब महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार है। दिल्ली में चुनाव आने वाले हैं। दिल्ली में आकर ये (भाजपा) कहेंगे कि डबल इंजन सरकार बना लो। आप तब पूछना कि 10 साल हरियाणा में डबल इंजन सरकार रही। उन्होंने ऐसा क्या किया है कि लोग उनके नेताओं को अपने गांवों में नहीं जाने दे रहे हैं। केजरीवाल ने कहा, यूपी में पिछले 7 साल से डबल इंजन की सरकार है। लोकसभा चुनाव में उनकी सीटें आधी हो गईं।

एमबए ग्रेजुएट ने अवैध किडनी ट्रांसप्लांट से कमाए 10 करोड़

- **5 राज्यों में फैला रखा था कारोबार**

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने हाल ही में आठ सदस्यीय एक गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो अवैध किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट चला रहा था। यह गिरोह

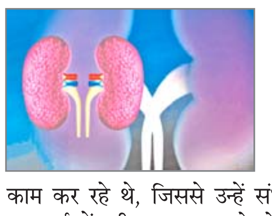

पिछले छह साल से दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, गुजरात और मध्य प्रदेश में सक्रिय था। गिरोह के कुछ सदस्य अस्पतालों में काम कर रहे थे, जिससे उन्हें संभावित दाताओं और प्राप्तकर्ताओं की पहचान करने में मदद मिलती थी। पुलिस ने इस रैकेट पर नजर रखी थी, और अंततः जून में इसकी गतिविधियों का भंडाफोड़ किया। जांच के दौरान पुलिस को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि रैकेट का मास्टरमाइंड कोई अपराधी नहीं, बल्कि एक एमबीए स्नातक संदीप आर्य (39) था।

इजरायल का गाजा में मस्जिद और स्कूल पर बड़ा हमला

देर अल-बला (एजेंसी)। गाजा पट्टी की एक मस्जिद और स्कूल पर इजराइली हवाई हमले में रविवार तड़के कम से कम 24 लोगों की मौत हो गयी। 93 लोग घायल हो गए। फलस्तीनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इजराइल ने ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों के खिलाफ युद्ध का दायर

- **24 लोगों की हो गई मौत, लेबनान में भी सैनिक कार्रवाई जारी**

बढ़ाते हुए उत्तरी गाजा और दक्षिणी बेरूत में बमबारी तेज कर दी है। इजराइल सात अक्टूबर को हमास के हमले के करीब एक साल बाद भी उससे लड़ रहा है और उसने लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ नया मोर्चा खोल दिया है। मध्य देर अल-बला शहर के मुख्य अस्पताल के समीप एक मस्जिद में शरण लेने वाले विस्थापित लोगों पर हमला किया गया। इजराइल ने सबूत उपलब्ध कराए बिना कहा कि उसने हमास के कमांड एवं नियंत्रण केंद्र को निशाना बनाया है। 'एसोसिएटेड प्रेस' के एक पत्रकार ने अल-अक्सा शहीद

अस्पताल के मुर्दाघर में शवों की गिनती की। अस्पताल के रिकॉर्ड से पता चलता है कि सभी मृतक पुरुष थे। एक अन्य पुरुष गंभीर रूप से घायल है। इस बीच, सेना ने उत्तरी गाजा के जबालिया में नए सिरे से हवाई और जमीनी आक्रमण शुरू करने की घोषणा की, जहां इजराइल की स्थापना के आसपास 1948 के युद्ध के घनी आबादी वाले शरणार्थी शिविर स्थित हैं। उसने कई तस्वीरें और वीडियो प्रसारित की हैं जिनमें इलाके की ओर जा रहे कई टैंक दिखायी दे रहे हैं। सेना ने कहा कि उसके सैनिकों ने जबालिया को घेर लिया है। इजराइल ने उत्तरी गाजा को खाली करने का भी ताजा आदेश जारी किया है जो युद्ध के शुरुआती हफ्तों में काफी हद तक खाली हो गया जब इजराइल ने उत्तरी गाजा की पूरी आबादी को दक्षिण की ओर जाने का आदेश दिया था। ऐसा अनुमान है कि कठिन परिस्थितियों और बड़े पैमाने पर विनाश के बावजूद 3,00,000 लोग वहां रह रहे हैं। सेना ने इलाके में गिराए पर्चों में कहा, 'हम युद्ध के नए चरण में हैं। इन इलाकों को खतरनाक युद्ध क्षेत्र माना जाता है।' फलस्तीनी निवासियों ने उत्तरी गाजा में इजराइल की ओर से भारी बमबारी किये जाने की खबर दी है। स्थानीय पत्रकारों ने बताया कि जबालिया में एक घर पर बमबारी में उनका एक सहकर्मी हसन हम्द मारा गया।

फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इन ताजा हमलों से गाजा में मारे गए फलस्तीनियों की संख्या अब 42,000 के करीब पहुंच गयी है। मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि इनमें से कितने आम नागरिक और आतंकवादी हैं, लेकिन मृतकों में कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। यह हमला रविवार तड़के किया गया। इससे पहले इजराइल ने शनिवार को लेबनान में बमबारी करते हुए हिजबुल्ला और हमास, दोनों के लड़ाकों को निशाना बनाया। लेबनान में फलस्तीनी शरणार्थियों सहित हजारों लोगों का क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष के कारण पलायन जारी है जबकि गाजा में युद्ध शुरू होने के एक साल पूरे होने के मद्देनजर दुनिया भर में रैलियां आयोजित की गईं। शनिवार को जोरदार विस्फोट आधी रात के करीब शुरू हुए।

वायुसेना के 92वें स्थापना दिवस पर चेन्नई में एयर शो

पहले वर्ल्ड वॉर में इस्तेमाल हार्वर्ड एयरक्राफ्ट ने कलाबाजियां दिखाई, सारंग, तेजस ने बनाए कई फॉर्मेशन

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना 8 अक्टूबर को अपना 92वां स्थापना दिवस मनाने वाली है। इससे पहले 6 अक्टूबर को चेन्नई के मरीना बीच पर एयर शो हुआ। जिसमें राफेल, सूर्यकिरण और सारंग समेत 72 एयरक्राफ्ट्स ने करतब दिखाए। शो का सबसे बड़ा अट्रैक्शन पॉइंट प्रथम विश्वयुद्ध में इस्तेमाल हार्वर्ड एम-6जी टैक्सन एयरक्राफ्ट रहा। भारतीय वायुसेना ने 1974 तक हार्वर्ड को इंटरमीडिएट ट्रेनर के रूप में इस्तेमाल किया था। एयर वाइस मार्शल के प्रेमकुमार के मुताबिक भारतीय वायुसेना ने लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां 15 लाख से ज्यादा लोग पहुंचे। शो में एडवांस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस, सारंग, सुखोई 30 एमकेआई, सी17, सी-295, अपाचे, लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर प्रचंड, डकोटा जैसे हैरिटेज एयरक्राफ्ट भी शामिल हुए। चेन्नई में 21 साल बाद एयर शो 21 साल के बाद

चेन्नई में कोई फ्लाईपास्ट और एरियल डिस्प्ले शो हुआ। भारतीय वायुसेना ने तीसरी बार स्थापना दिवस पर होने वाला एयर शो दिल्ली से बाहर आयोजित किया। पिछले साल यह शो 8 अक्टूबर 2023 को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में संगम क्षेत्र में हुआ था। 2022 में इसे चंडीगढ़ में रखा गया था। वायुसेना प्रमुख बोले- 2047 तक सभी हथियार भारत में बनाने का लक्ष्य एयरफोर्स डे से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि भारत को सैन्य उपकरण बनाने के मामले में टेक्नोलॉजी और स्पीड के मामले में चीन से आगे निकलने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा था कि वायुसेना का लक्ष्य स्वदेशीकरण कार्यक्रम के तहत 2047 तक अपने सभी हथियारों का प्रोडक्शन भारत में ही करना है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को आपूर्ति में देरी की भरपाई के लिए हर साल 24 तेजस हल्के लड़ाकू विमानों का प्रोडक्शन करना चाहिए।

अभिव्यक्ति गरबा महोत्सव-25 किलो की पगड़ी पहनी, सिर पर सजाए शिव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में अभिव्यक्ति गरबा महोत्सव-2024% के दूसरे दिन शनिवार को पार्टिसिपेंट्स एक्सपेरिमेंटल ड्रेसेस में पहुंचे। कुछ खुद ही डिजाइन की हुई ड्रेसेस में दिखाई दिए। मेकअप और ड्रेस के मुताबिक ही हेयर स्टाइल भी बनाई, ताकि इस गरबा में सेंटर ऑफ अट्रेक्शन के तौर पर नजर आएं। लोग ट्रेडिशनल गुजराती आउटफिट में भी दिखे। अलग-अलग रंगों और ज्वेलरी से सजे-धजे पार्टिसिपेंट्स अभिव्यक्ति में कई दिन की ट्रेनिंग लेने के बाद यहां परफॉर्म कर रहे थे। दीपक इस गरबे में शिवजी की प्रतिमा को सिर पर सजाकर गरबा करते दिखे। उन्होंने बताया कि उनकी पूरी ड्रेस 30 किलो से अधिक वजन की है। पगड़ी का ही वजन 25 किलो का है। देर रात तक दर्शक और पार्टिसिपेंट्स से भेल दशहरा मैदान खचाखच भर गया। कुछ प्रतिभागी स्टेप्स में गरबा कर रहे थे, तो कुछ फ्री स्टाइल में मां की आराधना करते नजर आए। नवरंग ग्रुप भी यहां सेंटर ऑफ अट्रैक्शन रहा। करीब 15 से अधिक प्रतिभागी एक ही तरह के ड्रेस में पहुंचे। इस ग्रुप से पिंकी लालवानी ने बताया कि हम हर साल नवरंग की तरफ आते हैं। आज गरबे का दूसरा दिन है। हमने मां थीम पर सारी तैयारी की है, इसमें सभी तरह के रंग शामिल हैं। इसमें खासतौर पर लाल, हरा, पीला रंग है। रतन सबधानी यहां सिर पर अयोध्या में स्थापित भगवान राम की प्रतिमा को सजाकर पहुंचे। उन्होंने अपनी पीठ पर भगवान राम का एक बड़ा पोस्टर भी लगा रखा था। उन्होंने बताया कि वह पहली बार भगवान को इस तरह साथ लेकर आए हैं। ऐसा लग रहा है कि भगवान राम इस पंडाल में आशीर्वाद दे रहे हैं। रीना छाबड़िया एक बहुत खास ड्रेस में पहुंची। उन्होंने बताया कि बेसिकली माता जी कहती हैं कि एक औरत सब कुछ कर सकती है। अच्छा परिवार बना सकती है और जो वो चाहे कर सकती है। इस थीम पर ही उन्होंने आज की ड्रेस को डिजाइन किया है। गौरव वाधवानी ने बताया कि उन्होंने इस बार ट्रेडीशनल के साथ हल्का वेस्टर्न टच दिया है। यह जो कैप है, इसको दो साल पहले लगाया था, इसको रेनोवेट करके नया लुक दिया है। गरबे में आई एक अन्य प्रतिभागी राशि जैन ने बताया कि वह आज प्योर काठियावाड़ी अंदाज के साथ यहां पहुंची हैं। उन्होंने बताया कि उनका साफा पांच किलो वजन का है। इसको उन्होंने खुद ही डिजाइन करवाया है। हमें यहां आते हुए 15 साल से ज्यादा समय हो गया है। हम यहां आने के लिए हमेशा कुछ क्रिएटिव करते हैं।

मुख्यमंत्री ने जबलपुर की घटना पर दु.ख व्यक्त किया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर के निर्माणाधीन आईटीसी निजी होटल के किचन में गैस पाइप लाइन टेस्टिंग के दौरान आग लगने की घटना में एक महिला की असामयिक मृत्यु पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घटना में मृतक महिला के शोकाकुल परिजन के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभीघायलों को बेहतर उपचार देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है, इसके लिए जिला प्रशासन जबलपुर को समुचित इलाज की व्यवस्था के लिए निर्देशित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से मृतक के परिवार को 4 लाख रुपए तथा घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशासन से इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति पर नियंत्रण तथा होटल संचालकों द्वारा निर्धारित मापदंडों का सख्ती से पालन करवाने के निर्देश भी दिए हैं। उल्लेखनीय है कि जबलपुर के तिलवारा क्षेत्र में इस घटना में आठ व्यक्ति घायल हुए हैं, जिनका उपचार चल रहा है। कमिश्नर, आईजी और कलेक्टर जबलपुर ने घायलों के उपचार की जानकारी प्राप्त की और चिकित्सकों से समुचित उपचार के संबंध में चर्चा की। प्रशासनिक अधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण भी किया।

किसान भाई सरकार से अनुदान लेकर फूड प्रोसेसिंग इकाईयाँ स्थापित कर सकते हैं- उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि किसान भाइयों को उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग द्वारा फूड प्रोसेसिंग इकाईयाँ स्थापित करने के लिए अनुदान दिया जाता है। किसान भाई सरकार से अनुदान लेकर फूड प्रोसेसिंग इकाईयाँ स्थापित कर सकते हैं। साथ ही अनुदान के आधार पर किसान छोटे, मध्यम और बड़े कोल्ड स्टोर भी स्थापित कर सकते हैं। इनमें किसान अपनी फसल सुरक्षित रखकर जब ऊँचे दाम हों, तब बेच सकते हैं। कृषि के साथ उद्यानिकी के माध्यम से कृषि को लाभ का धंधा आसानी से बनाया जा सकता है। उन्होंने यह बात ग्वालियर जिला पंचायात सभागार में किसान सम्मान निधि राशि वितरण के जिला स्तरीय कार्यक्रम में कही। उल्लेखनीय है कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के वाशिम से देश भर के 9 करोड़ से अधिक किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त सिंगल क्लिक के जरिए जारी की है। इसका विडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रसारण किया गया। जिसमें ग्वालियर जिले के एक लाख 5 हजार 988 किसानों के खातों कुल 21 करोड़ 19 लाख 76 हजार रूपए की धनराशि पहुँची है। कार्यक्रम में सम्मान निधि प्राप्त करने वाले किसानों का पुष्पाहारों से मंत्री श्री कुशवाह ने आत्मीय स्वागत किया तथा प्रमाण-पत्र व प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए। ग्वालियर जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुए कार्यक्रम में किसानों, जनप्रतिनिधियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुना।

जेलों में सुधार का कानून लागू नहीं कर पाई सरकार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश सरकार जेलों में सुधार के लिए लाए गए कानून को गांधी जयंती से लागू नहीं कर पाई है। अब यह कानून एक जनवरी 2025 से लागू करने का फैसला किया गया है। इस एक्ट में कहा है कि जेलों में व्यवस्था संबंधी बदलाव कर कैदियों के पुनर्वास और समाज में उनके एकीकरण की दिशा में काम किए जाएंगे। सरकार इसके लिए केंद्रीय जेल के साथ जिला और उप जेलों की व्यवस्थाओं में बदलाव भी लाएगी ताकि जेलों में क्षमता से अधिक मौजूद कैदियों, विचाराधीन बंदियों को बैरक, सेल और अन्य सुविधाएं मिल सकें। कैदियों की कुंडली के हिसाब से बैरक भी तय करने की बात नए कानून में कही गई है। जेल विभाग ने 13 अगस्त को जारी किए गए आदेश में कहा था कि प्रदेश में गांधी जयंती (2 अक्टूबर) के दिन से मध्य प्रदेश सुधारात्मक सेवाएं और बंदीगृह अधिनियम 2024 को लागू किया जाएगा। यह आदेश सरकार की प्रबंधन संबंधी तैयारियों में कमी के चलते टालना पड़ा है और अब इसके लिए विभाग द्वारा किए गए नए नोटिफिकेशन में एक जनवरी 2025 से इसे लागू करने के लिए कहा है। एमपी का यह कानून केंद्र सरकार के द्वारा कैदियों की सुविधाओं और जेल में रहने के दौरान उनके आचरण में बदलाव तथा पुनर्वास को लेकर तैयार किए गए प्रावधानों के आधार पर बनाया है।

सिंग्रामपुर में फैसला, 100 करोड़ से बनेगा संग्रहालय

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जबलपुर में मदन महल के चारों ओर फैली 24 एकड़ की पहाड़ी को रानी दुर्गावती संग्रहालय के रूप में डेवलप किया जाएगा। शनिवार को दमोह के सिंग्रामपुर में हुई मोहन कैबिनेट की बैठक में यह फैसला किया गया। इस संग्रहालय की लागत लगभग 100 करोड़ रुपए होगी। इसमें एक ओपन एयर थिएटर, प्रदेश की जनजातियों की जीवनशैली और वीरता की कहानियां प्रदर्शित की जाएंगी।

जबलपुर की बावड़ी की थीम पर बनेगा रानी दुर्गावती स्मारक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। दमोह जिले के सिंग्रामपुर में हुई मोहन यादव कैबिनेट की बैठक में जबलपुर के मदन महल पहाड़ी पर रानी दुर्गावती स्मारक बनाने की मंजूरी दी गई है। 24 एकड़ एरिया में सौ करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस स्मारक को जबलपुर की बावड़ियों की थीम पर बनाया जाएगा। इस स्मारक परिसर में धातु, शिल्प कला और टेराकोटा के तीन अलग-अलग जोन बनेंगे।

डीएमएफ (डिस्ट्रिक्ट माइनिंग फंड) से बनने वाले इस स्मारक में रानी की शौर्य गाथा के साथ ही गौंडवाना संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। रानी दुर्गावती संग्रहालय का वास्तुशिल्प डिजाइन स्थानीय गौंडवाना वास्तुकला पर आधारित होगा। इस म्यूजियम के सेंट्रल एरिया की थीम जबलपुर की बावड़ियों पर आधारित होगी। इस म्यूजियम में सॉविनियर शॉप, सूचना केंद्र और रानी दुर्गावती की कांस्य की प्रतिमा स्थापित होगी। सेंट्रल कोटयार्ड में जबलपुर की बावड़ी की थीम पर कल्चरल स्पॉट बनाया जाएगा। इसी जगह धातु के पेड की कलाकृति बनाई जाएगी। पूरे स्मारक परिसर में दिशासूचक और जानकारी देने के लिए डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे। संकेतक बनाने के लिए पत्थर और लकड़ी का ही उपयोग किया जाएगा। रानी दुर्गावती स्मारक पर ओपन थिएटर बनाया जाएगा। इस थिएटर में बैठने के लिए स्थानीय पत्थरों का उपयोग किया जाएगा। पेड़ों के नीचे बैठक व्यवस्था बनाई जाएगी। जहां सांस्कृतिक आयोजन हो सकेंगे। ओपन थिएटर ऐसा बनाया जाएगा जिसमें दिन और रात्रि में कार्यक्रम हो सकेंगे। जनजातीय और गौंड फूड स्ट्रीट भी स्मारक परिसर में जनजातीय ग्राम समूह द्वारा विकसित किया जाएगा। यहां की कृतियों को ग्रामीण शैलियों में विकसित किया जाएगा और इनमें गोंडवाना क्षेत्र की जनजातीय कला, शिल्प और सांस्कृतिक जीवन की झलक दिखेगी। स्मारक परिसर में सौ कारों की पार्किंग की व्यवस्था होगी।

ग्लोबल स्किल्स पार्क भोपाल में इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन पर विशेष प्रशिक्षण संपन्न

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में जेबीएम समूह के वरिष्ठ इंजीनियरों और तकनीशियनों के लिए इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और मेंटिनेंस पर केन्द्रित दो-सप्ताह का औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कौशल विकास और रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल के नेतृत्व और सचिव श्री राजेन्द्र रघुराज के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम ने उद्योग पेशेवरों को अत्याधुनिक उपकरणों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया, जो राज्य के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा। वरिष्ठ निदेशक जीएसपी श्री शमीम उद्दीन ने बताया कि 24 अगस्त को नए परिसर के उद्घाटन के बाद से यह जीएसपी द्वारा आयोजित पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जो उनके उत्कृष्ट संसाधनों और तकनीकी क्षमता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने बताया कि यह पहल मध्यप्रदेश में उद्योग और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए एक प्रभावी कदम है।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में राज्य स्तरीय वन्य-जीव सप्ताह-2024

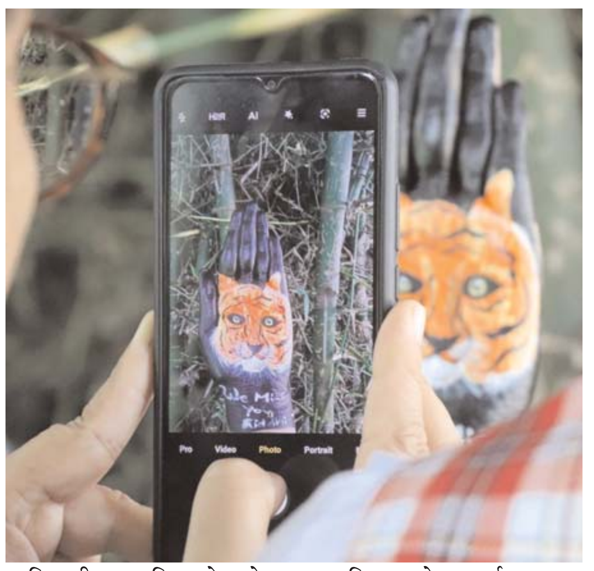

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य स्तरीय वन्य-जीव सप्ताह-2024 में प्रात: 6 बजे पक्षी अवलोकन शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सेम कॉलेज एवं महात्मा गाँधी महाविद्यालय के कुल 46 प्रतिभागियों ने पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों के दर्शन किये। इनमें प्रमुख है कोयल, पर्पल हेरॉन, ग्रे हेरॉन, नाईट हेरॉन, ब्लैक रेड स्टार्ट, पर्पल सनबर्ड कॉमन किंगफिशर एवं स्पॉटेड डच आदि को देखकर प्रतिभागी उत्साहित हो उठे। तितलियों में लाईम बटरफ्लाई, कॉमन क्रो, ग्रे पेनसी, कॉमन ग्रास यलो, ब्लू टाईगर, स्ट्राइपड टाईगर, प्लेन टाईगर, कॉमन ईवनिंग ब्राउन आदि को देखकर प्रतिभागी उत्साहित हो उठे। स्त्रोत व्यक्ति के रूप में डॉ. सुदेश वाघमारे, डॉ संगीता राजगीर, मो. खालिक एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक संचालक वन विहार श्री एस.के. सिन्हा द्वारा किया गया। प्रतियोगिताओं में प्रात: 10 बजे से %वन्य-जीव थीम पर विद्यालयीन/महाविद्यालयीन वर्ग के लिये मेंहदी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 78 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा प्रात: 11 बजे से %वन्य-जीवन के लिये जलवायु परिवर्तन, रहवास की कमी से ज्यादा बड़ा खतरा है विषय पर शिक्षक वाद-विवाद प्रतियोगिता डब्लू.डब्लू.एफ. इंडिया के सहयोग से आयोजित की गई, जिसमें 18 प्रतिभागियों ने भाग लेकर अपने विचार व्यक्त किये। अन्य प्रतियोगिता के रूप में दोपहर 12 बजे से %वन्य-जीव थीम पर विद्यालयीन/महाविद्यालयीन वर्ग के लिये पॉम पेंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें 81 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

राजनीति में आएं,भविष्य में 33त्न सांसद-विधायक ? महिलाएं बनेंगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गोंडवाना राज्य की रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती को राज्य सरकार ने महिला सशक्तिकरण दिवस के रूप में मनाया। दुर्गावती के राज्य की पहली राजधानी रहे दमोह जिले के सिंग्रामपुर में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जनसभा करते हुए कहा कि 5 अक्टूबर का दिन शौर्य और बलिदान को याद करने का दिन हैं। । उनके जीवित रहते मुगल, पठान, सुल्तान जैसे आक्रांता गोंडवाना की तरफ आंख उठाकर नहीं देख सके। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपील की अपनी खेती की जमीनें मत बेचना। केन बेतवा लिंक नहर के बाद ये बुंदेलखंड खेती में पंजाब को मात देगा।

उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड में पानी भले ही कम है लेकिन लोग पानीदार हैं, इनकी तलवारें मुगल, पठान, सुल्तान और अंग्रेज के किसी आगे नहीं झुकी। रानी दुर्गावती, रानी अवंती बाई, झांसी की रानी ये सभी बुंदेलखंड की धरती पर हुईं। भविष्य में 33त्न सांसद, विधायक, से लेकर पंच सरपंच, भी महिलाएं ही बनेगी। इसलिए बहनों से आग्रह है कि वे राजनीति में आने की तैयारी करें। शस्त्र और शास्त्र दोनों साथ रखकर चलें। तभी समाज का पौरुष जगेगा।

सीएम ने सिंगल क्लिक के जरिए प्रदेश की 1.29 करोड़ लाड़ली बहनों के खाते में 1574 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। 55 लाख हितग्राहियों के खातों में 332.71 करोड़ की सामाजिक सुरक्षा पेंशन और पीएम उज्जवला धारकों के खाते में 28 करोड़ की राशि ट्रांसफर की।

हर तीसरा एटीएम खराब या आउट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एटीएम का मेंटेनेंस-सर्विलांस, कैश डालने का काम सब कुछ आउटसोर्स हो चुका है। ग्राहक एटीएम का जितना इस्तेमाल करते हैं, उस हिसाब से वेंडर्स को कमीशन मिलता है। भाई साहब! यह मेरा पांचवां एटीएम है। पिछले चार एटीएम से धक्के खाकर आ रहा हूं। कहीं भी पैसा नहीं है। पिछले एटीएम में गया था तो वहां चार गायें बैठी थीं। यह कहना है भोपाल के रहने वाले दयाचंद का। दैनिक भास्कर टीम की मुलाकात दयाचंद से उस वक्त हुई, जब वह पैसा निकालने के लिए एटीएम के चक्कर काट रहा था। दयाचंद ने बताया कि उसे गैस एजेंसी से सिलेंडर भरवाना है। वहां ऑनलाइन पेमेंट नहीं होता इसलिए एटीएम से पैसा निकालने गया। मगर उसे एमटीएम या तो बंद मिला या फिर लिखा था कि नकदी नहीं है। जब राजधानी के नादरा बस स्टैंड, बैरसिया रोड, हमीदिया रोड, न्यू मार्केट से लेकर होशंगाबाद रोड के 100 से ज्यादा एटीएम की पड़ताल की तो हर तीसरा एटीएम या तो खराब मिला या आउट आफ कैश। इस पूरी पड़ताल में ये भी पता चला कि अब एटीएम पर केवल बैंक का नाम लिखा है, एटीएम का मेंटेनेंस-सर्विलांस, कैश डालने का काम सब कुछ आउटसोर्स हो चुका है। बैंक केवल एटीएम की ट्रे में रखने के लिए पैसा देता है। एटीएम का ग्राहक जितना इस्तेमाल करते हैं, उस हिसाब से वेंडर्स को कमीशन मिलता है। इसे लेकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के चेस्ट बैंक के डीजीएम से बात की तो उन्होंने कहा- एटीएम के संचालन का काम भले ही वेंडर्स को सौंपा गया है, मगर बैंक भी निगरानी करते हैं। नादरा बस स्टैंड तिराहे पर बने एसबीआई के एटीएम में जब भास्कर की टीम पहुंची तो यहां एक गार्ड बैठा था। एटीएम का गेट खोलते ही गार्ड ने कहा- सारी मशीनें खराब हैं। उसी दौरान एटीएम में पहुंचे अनस मोहम्मद ने बताया कि इस एटीएम के हाल बेहाल हैं। यहां अक्सर मशीन खराब ही रहती है। घोड़ा नक्कास एटीएम में मिले लखन सिंह गंगवार ने बताया- मैं बैरसिया से आया हूं।

लांबाखेड़ा, भोपाल टाकीज से लेकर बस स्टैंड तक एटीएम बंद पड़े थे। तौल कांटा पर आया तो यहां के कियोस्क में भी तीन में से दो मशीनें खराब पड़ी थीं। आखिर में एक एटीएम मिला, जो चालू हालत में था। वहां से पैसे निकाले। सिंधी कॉलोनी चौराहे पर बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा के साथ एटीएम अटैच है। बैंक बंद होने के साथ एटीएम बूथ का शटर भी गिर जाता है। हमीदिया रोड शहर की प्रमुख व्यवसायिक रोड है लेकिन यहां इंडियन बैंक का एटीएम खराब पड़ा है। नए शहर के हालात भी पुराने शहर से अलग नहीं हैं। होशंगाबाद रोड पर आशिमा माल के नजदीक एसबीआई का एटीएम बंद मिला तो इस रोड से लगे दानिश नगर में भी सेंट्रल बैंक और एसबीआई के एटीएम बंद पड़े थे। इसी इलाके में भेल संगम चौराहे के नजदीक एक्सिस बैंक के एटीएम के हालात ऐसे हैं कि लोग रुपए तक नहीं निकाल पाते। यहां एटीएम बूथ के कांच टूटे हैं।

मालवा के भादवा माता मंदिर को आरोग्य तीर्थ की मान्यता

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के देवी मंदिरों के दर्शन की सीरीज में आज आपको दर्शन करवाते हैं भादवा माता के। इन्हें मालवा की वैष्णो देवी और आरोग्य देवी के नाम से भी जाना जाता है। नीमच जिला मुख्यालय से करीब 24 किलोमीटर दूर इस मंदिर को आरोग्य तीर्थ भी कहते हैं। मान्यता है- यहां मौजूद प्राचीन बावड़ी के जल से लकवा, मिर्गी जैसे असाध्य रोगों से भी मुक्ति मिलती है। यह मंदिर भदवा गांव में स्थित है इसलिए इनका नाम भादवा माता पड़ा। मंदिर में शुरुआत से मुख्य पुजारी भील समुदाय का ही रहा है। हालांकि, गांव में ब्राह्मण और भील दोनों समुदाय के लोग रहते हैं। पुजारी अर्जुन पंडित बताते हैं कि मंदिर में भादवा माता चांदी के सिंहासन पर विराजित हैं। माता की मूर्ति के चारों ओर नौ देवियों की मूर्तियां रखी हैं। यहां- ब्रह्मणी, महेश्वरी, कुमारी, वैष्णवी, वाराही, नरसिंही, इंद्री, शिवदत्ती और चामुंडा देवी विराजमान हैं। नौ देवियों के सामने अखंड ज्योति कई साल से लगातार जल रही है। मंदिर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी, माता पार्वती और भगवान शंकर की आलिंगनबद्ध प्रतिमा भी हैं। गर्भ गृह के बाहर मुख्य द्वार के पहले गणेश और हनुमान जी विराजे हैं। वहीं, पश्चिम में भैरव और गौराजी की प्रतिमा हैं। मान्यता है कि माता की धूनी से निकाला गया धागा या कलावा बांधने से रोगों से मुक्ति मिलती है। भादवा माता के मंदिर में प्राचीन बावड़ी है। इस बावड़ी में सालभर पानी रहता है। यहां आने वाले भक्त बावड़ी में स्नान और आचमन करते हैं। बोतल में भरकर पानी भी ले जाते हैं। इसके अलावा रोग ग्रस्त अंग पर भस्म का लेप करते हैं। मन्नत मांगकर यहां श्रद्धालु कलावा भी बांधते हैं। मंदिर में सालभर लकवा, चर्म रोग समेत अन्य असाध्य रोगों से पीड़ित आते हैं। श्रद्धालु यहां कई दिन तक रहते हैं। उनका मानना है कि भस्म लेपन, बावड़ी के जल और कलावा बांधने, मंदिर की परिक्रमा करने और माता की कृपा से उनका रोग ठीक हो जाता है। इतिहासकार विपिन सुराव के मुताबिक, 500 साल से भी ज्यादा पुराने मंदिर के अस्तित्व को लेकर अलग-अलग मान्यताएं हैं।

पहली मान्यता- ब्राह्मणों के अनुसार, विक्रम सम्वत् 1458 में राजस्थान के मेणार से पंडित पीताम्बरदास के पुरखे गांव भादवा में आकर बसे। एक दिन पीताम्बरदास को माता ने स्वप्न में दर्शन दिए। कहा, 'गांव में स्थित आरणी वृक्ष के मूल में मेरी प्रतिमा दबी है। तुम इसे निकालकर स्थापित करो।' जब इस स्थान पर खुदाई गई तो यहां से मां की प्रतिमा निकली।

कुसमी में मंदिर-मूर्ति चुराने का मामला

पुलिस ने 4 लोगों को पकड़ा, आरोपी बोला- चोरी नहीं की, जीर्णोद्धार कराने कर रहा था खुदाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के कुसमी में 3 अक्टूबर को तुरनाथ धाम के पार्वती मंदिर सहित मूर्ति चोरी हुई थी। इसमें मामले में पुलिस ने रविवार को 4 आरोपियों को पकड़ा है। बताया गया कि आरोपियों मंदिर उठाया था क्योंकि वे मंदिर का जीर्णोद्धार कराना चाहते थे।

पुलिस ने अमित सिंह, दीपक सिंह, प्रदीप साहू और राम जी साहू को गिरफ्तार किया है। आरोपी अमित सिंह ने बताया कि मेरी मन्नत पूरी हो गई थी। इसलिए मैं जीर्णोद्धार के उद्देश्य खुदाई कर रहा था। मैं नया मंदिर बनवाना चाहता था। लेकिन मंदिर खुदाई के दौरान क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद में वहां से डर कर भाग गया और लोगों ने यह अफवाह उड़ा दी कि मैंने मंदिर की चोरी कर ली है।

खुदाई में मूर्ति मंदिर के अवशेष मिले: जिला मुख्यालय से 130 किलोमीटर की दूरी पर जंगलों के बीच तुर्रा धाम स्थित है। यहां पर इस घटना के बाद गांव के सरपंच सूर्य किरण सिंह खुदाई करवाई तो वहां पर मंदिर के अवशेष मिले। 10 फीट जमीन के अंदर से माता की मूर्ति निकली है।

मंदिर की दीवार गिरने से दो लोग घायल

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया में नहीं मिले डॉक्टर, इलाज के लिए भटके

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के चुरहट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मंनकिसर में रविवार के दिन तेज आंधी की वजह से दुर्गा पंडाल और मंदिर की दीवार गिर गई। जिसकी वजह से दो लोग बुरी तरह से घायल हो गए।

जैसे ही यह हादसा हुआ अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। आनन-फानन में दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया ले जाया गया। लेकिन यहां पर डॉक्टर नहीं होने की वजह से उन्हें इलाज के लिए काफी भटकना पड़ा। स्थानीय व्यक्ति कमलेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि बीएमओ राजकमल वर्मा की लापरवाही से लोगों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। डॉक्टर नहीं मिलते और लोगों को इलाज के लिए हमेशा भटकना पड़ता है। इसकी जानकारी लोगों ने फोन के माध्यम से क्षेत्रीय विधायक रीति पाठक को दी और शिकायत भी दर्ज कराई है।

मेरे आने के पहले परिजन घायलों को ले गए: बीएमओ राजकमल वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि दो लोगों के घायल होने की खबर आई थी। लेकिन उस वक्त में मीटिंग के लिए सीधी गया हुआ था। मैंने नर्स और कंपाउंड को प्राथमिक उपचार देने के लिए कहा था। लेकिन मेरे आने से पहले ही घायल व्यक्ति अपने परिजन के साथ चले गए थे।

आज देर शाम आसमान में छाय बादल

बारिश की उम्मीद, बीते 6 दिनों से नहीं गिरा पानी

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना जिले में इस साल औसतन बारिश हो चुकी है। जिले के पवई, अमानगंज, रैपुरा, सिमरिया वर्षा मापी केंद्रों में औसतन बारिश से भी अधिक वर्षा दर्ज की गई है। जबकि सबसे कम गुनोर क्षेत्र में बारिश हुई है।

हालांकि जिले में बीते 6 दिन से बारिश नहीं हुई है। आसमान साफ रहा और दिन की शुरुआत तेज धूप के साथ होती रही है। लेकिन रविवार के दिन मौसम में परिवर्तन हुआ है। शाम होते ही आसमान में बादल छा गए। वहीं अब बारिश के आसार जताये जा रहे हैं।

पन्ना जिले में इस वर्ष एक जून से 30 सितम्बर तक कुल 1104.5 मिमी औसत बारिश हुई है। पिछले साल इसी समय 980.7 मिमी पानी गिरा था। जिले की औसतन वर्षा 1176.4 मिमी है। जिसके मुकाबले अब तक सर्वाधिक वर्षा पवई में 1470 मिमी और सबसे कम गुनौर में 851.3 मिमी दर्ज की गई।

जबकि वर्षामापी केन्द्र पन्ना में 1063.4 मिमी, देवेन्द्रनगर में 864.9 मिमी, अमानगंज में 1174 मिमी, सिमरिया में 1224.1 मिमी, शाहनगर में 1049.7मिमी, रैपुरा में 1208 मिमी और अजयगढ़ में 1034.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

जमीनी विवाद में पुलिस के सामने बुजुर्ग को पीटा

सीसीटीवी फुटेज वायरल, 4 लोगों के खिलाफ के दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले के बैढ़न थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले बेलौजी इलाके में घर में घुसकर मारपीट करने का एक सीसीटीवी वीडियो आज वायरल हो रहा है। वायरल सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि कुछ लोग घर में घुसकर एक बुजुर्ग और एक महिला के साथ मारपीट कर रहे हैं। शिकायत के बाद बैढन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि पूरा घटनाक्रम शनिवार का है। जब न्यायालय के आदेश पर प्रशासन की टीम शिव मूरत गुप्ता और धर्मदास गुप्ता के आपसी जमीनी विवाद में सीमांकन करने गई थी। इस बीच आपस में मारपीट शुरू हो गई।

वहीं दूसरी तरफ पीड़ित शिव मूरत गुप्ता ने बताया कि जबरन उनकी जमीन पर गलत तरीके से नाप जोख को रही थी। हमने विरोध किया तो आरोपी अमन गुप्ता, प्रेमलाल गुप्ता संदीप गुप्ता, राकेश गुप्ता, धर्मदास गुप्ता, क्षमा गुप्ता सहित आए दर्जन भर लोगों ने हमसे मारपीट करनी शुरू कर दी।

यह पूरा घटनाक्रम शहर के बीचो-बीच हुआ है। इसके साथ ही नाप जोख करने गए अधिकारियों के साथ पुलिस बल भी मौजूद था, जो सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में दिख रहा है। बावजूद इसके आरोपियों ने दुस्साहस करते हुए खुलेआम मारपीट की है। बैढ़न थाना पुलिस ने अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज किया है। लेकिन अभी तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

रीना रावत संभाग स्तर पर महिला कबड्डी में चयनित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय बरगवां में जिला स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 5 अक्टूबर को किया गया। जिसमें जिले भर की महाविद्यालयीन महिला कबड्डी खिलाडियों ने हिस्सा लिया। जिसमें शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली से रीना रावत का संभाग स्तर पर चयन हुआ।

अब वे संभागीय टीम के रूप में प्रतिनिधित्व करेंगी तथा 7 अक्टूबर को रीवा में आयोजित होने वाली संभाग स्तरीय स्पर्धा में अपने कौशल का प्रदर्शन करेगी। उनकी इस उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ गीता भारती, क्रीड़ा प्रभारी डॉ लक्ष्मण उइके, प्रो बी एल सिंह, प्रो सुनील सिंह, डॉ पूजा कश्यप, डॉ गंगा देवी बैरागी, डॉ भावना नागेंद, डॉ सुरेश तिवारी, डॉ राज किशोर तिवारी, डॉ वाहिदुननिशा ने उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की है।

युवा कांग्रेस ने निकाला मशाल जुलूस

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला युवा कांग्रेस द्वारा महिलाओं और बच्चियों के साथ आये दिन हो रहे अत्याचार के विरोध में बेटी बचाओ अभियान के तहत एवं युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मृतेंद्र दर्शन सिंह यादव के खिलाफ हुए एफआई आर के विरोध में प्रदेश कांग्रेस के आवाहन पर जिला युवा कांग्रेस सीधी द्वारा मसाल जुलूस निकालने का निर्णय लिया गया था किन्तु कतिपय कारणो से सफल नही हो सका। जिसके पश्चात मध्यप्रदेश सरकार के विरोध में कैंडल मार्च निकालकर प्रदेश की सरकार को बेटियों, महिलाओं के साथ हो रहे दुष्कर्म के खिलाफ कड़े क़ानून बनाने का संदेश दिया गया।

तीन अंतरराज्यीय चोर गिरफ्तार

सोने-चांदी के आभूषण समेत 6 लाख रुपए की संपत्ति जब्त, अन्य आरोपियों की तलाश जारी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। गढ़ीमलहरा थाना पुलिस ने रविवार की शाम 4 बजे एक चोरी का खुलासा किया है। जिसमें तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से सोने-चांदी और 30 लाख नगद रुपए जब्त किए गए है। वहीं, इस चोरी से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि 20 सितंबर को गढ़ीमलहरा के वार्ड नंबर-1 में चार घरों में एक ही दिन चोरी संबंधी रिपोर्ट पर थाने में भारतीय न्याय संहिता के तहत चोरी का अपराध दर्ज किया था। जिसके बाद पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

वहीं, शनिवार को पुलिस को संदेही के बस स्टैंड के पास होने की सूचना मिली। पुलिस ने संदेही धीरज अहिरवार को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की। जिसने चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया, सम्मीलित अन्य आरोपियों और चोरी का सामान खरीदने वाले अनूप सोनी की भी जानकारी दी गई।

चोरी की घटनाओं में सम्मिलित आरोपी-

1. धीरज अहिरवार पिता जय सिंह अहिरवार निवासी ग्राम तेली पहाड़ी थाना महोबकंठ जिला महोबा
2. रामकिशन श्रीवास पिता भल्लू श्रीवास निवासी ग्राम सौरा थाना महोबकंठ जिला महोबा
3. क्रेता आरोपी शत्रुघ्न उर्फ अनूप सोनी पिता ओमप्रकाश सोनी मुस्करा, जिला हमीरपुर हाल बघीयन मोहल्ला छतरपुर

तीनों को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। जिसमें आरोपियों के पास से करीब 6 तोला सोना और 1 किलो चांदी के आभूषण और नगद 30 हजार रुपए सहित दो मोबाइल फोन जब्त किए गए है। जब्त समान और रुपयों की कुल कीमत 6 लाख रुपए आंकी जा रही है। वहीं, चोरी का सामान खरीदने वाले सर्राफा व्यापारी आरोपी अनूप सोनी के खिलाफ जिला महोबा में पूर्व से गैंगस्टर एक्ट के तहत अपराध दर्ज है।

गढ़ीमलहरा थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है उनके पास से 6 लाख रुपए का माल जब्त कर आरोपियों को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। इसी मामले से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गांव के सरहंग से परेशान महिला ने एसपी से की फरियाद

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले में महिलाओं के साथ अत्याचार का सिलसिला थम नहीं रहा है। ताजा मामला सीधी जिले का ग्राम बाघोर तहसील सिहावल थाना अमिलिया चौकी सिहावल का है। जहां रोशनी विश्वकर्मा (परिवर्तित नाम) उम्र लगभग 40 वर्ष निवासी ग्राम बघोर ने जिला पुलिस अधीक्षक सीधी से अपनी आबरू और बच्चों की जान की सलामती की गुहार लगाई। पीड़िता द्वारा बताया गया कि वह अति गरीब है वह अपने एक पुत्री एवं दो पुत्र हैं के साथ रहती है, पीड़िता को रामनरेश शुक्ला पुत्र संकटा प्रसाद शुक्ला निवासी ग्राम बघोर पिछले दो वर्ष से पीड़िता कर रहा है।

पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालते हुए जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीड़िता के मुताबिक रामनरेश शराब का आदी है पीड़िता का पति परिवार को चलाने के लिए अहमदाबाद में जेसिबी मशीन चलाने का काम करता है, पति के घर में न होने के करण पीड़िता को परेशान करता रहता है, यहां तक की, पीड़िता राम नरेश की हरकत से परेशान होकर अपने घर मे सीसीटीवी कैमरा भी लगवाई जिसमें आवेदिका के घर में रात में दिवाल तोड़ते हुए वीडियो भी रामनरेश का कैप्चर किया गया था। रामनरेश की हरकत से परेशान होकर गांव के बड़े बुजुर्गों को भी बताया।

गांव के लोगों ने समझाया तो कुछ दिन तक परेशान नहीं किया मगर कुछ दिन बीत जाने के बाद रामनरेश द्वारा पीड़िता को पुनः शारीरिक संबंध बनाने और न बनने पर सारे परिवार को खत्म कर देने की धमकी देने लगा। मारपीट और गली गलौच करता है।

बताया गया है कि रामनरेश शुक्ला काफी सारंग व्यक्ति हैं जो की गांव के कोई व्यक्ति उनके खिलाफ बोलने के लिए तैयार नहीं है। उसके डर से महिला अपने घर को छोड़कर बच्चों को लेकर अपने मायके चली गई है, जिससे बच्चों की पढ़ाई पर भी बुरा असर पड़ा। पीड़िता से मारपीट में दाहिने हाथ और सामने के दांत में चोट आई है। जिसकी रिपोर्ट सिहावल चौकी में की गई थी पर जब पीड़िता रिपोर्ट करने के लिए गई थी उससे पहले ही रामनरेश एवं उनके भाई गंगा शुक्ला चौकी में मौजूद थे। जिससे पीड़िता को चौकी से न्याय मिलने की दूर तक उम्मीद नहीं नजर आई, जिससे वह अपनी फरियाद लेकर सीधी पुलिस अधीक्षक के पास आई। मामले को संज्ञान में लेकर एडिशनल एसपी सीधी द्वारा टी ई अमिलिया को कार्यवाही हेतु तुरंत निर्देशित किया गया है।

पीएमश्री योजना में बदलेगी जिले की 14 स्कूलों की सूरत

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पी.एम.श्री स्कूल योजना एक केन्द्र प्रवर्तित योजना है और इसके अंतर्गत चयनित सभी विद्यालय मॉडल स्कूल बनेगे और इनमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पूरी भावना समाहित होगी। इस योजना से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता का सुधार होगा अपितु विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए भी तैयार करने में मदद करेगी। इन विद्यालयों में समस्त आधुनिक सुविधाएं प्रदान की जायेगी।

विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान प्रयोगशालायें, कम्प्यूटर लैब और डिजिटल लाईब्रेरी जैसी सुविधाओं से लैस किया जायेगा। एपीसी रमसा डॉ सुजीत मिश्र ने जानकारी देकर बताया कि कुसमी ब्लाक में शा.उ.मा.वि. टमसार एवं गोतरा, मझौली में टिकरी एवं चमराडोल, रामपुर नैकिन में बागढ, कन्या चुरहट, कन्या हाईस्कूल रामपुर नैकिन एवं हनुमानगढ, सीधी ब्लाक में चौफाल, माध्यमिक विद्यालय मधुरी, पनवार, कन्या आदर्श हाईस्कूल सीधी तथा सिहावल में खुटेली एवं हटवाखास कुल 14 विद्यालय चार चरणों में पी.एम.श्री स्कूल अंतर्गत चयनित हुये है।

विद्यार्थी करेंगे उच्च शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को राज्य अंतर्गत उच्च शैक्षणिक संस्थानों में भ्रमण (स्टडी ट्रिप फॉर स्टूडेन्ट टू हायर इंस्टीट्युट विदिन स्टेट) कराया जाना है। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश प्रक्रिया, पात्रता एवं रोजगार आदि को समझने के अवसर उपलब्ध कराना है। इस भ्रमण में 100 विद्यार्थियों को ले जाना है। विद्यार्थियों का चयनः एपीसी रमसा डॉ सुजीत मिश्रा ने बताया कि विद्यार्थियों के चयन के लिए कक्षा 10 वीं में जिले की मेरिट में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त 10 विद्यार्थी, जिला विज्ञान प्रदर्शनी (जादू नहीं विज्ञान है) में चयनित श्रेष्ठ 10 विद्यार्थी, विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां यथा एक भारत श्रेष्ठ भारत, बैण्ड कम्पटीशन आदि एवं साहित्यिक गतिविधियों में श्रेष्ठ 10 विद्यार्थी, जिले अंतर्गत विद्यालय में सर्वाधिक उपस्थिति वाले 10 विद्यार्थी, विगत वर्षों में संपन्न राष्ट्रीय अथवा राज्य स्तरीय कला उत्सव के विजेता एवं प्रतिभागी वाले 10 विद्यार्थी, प्रत्येक बालिका छात्रावासों की बालिकाओं में से सर्वश्रेष्ठ परीक्षा परिणाम वाली 05 छात्राओ को भी भ्रमण पर ले जाया जायेगा जिनकी अधिकतम संख्या 40 होगी, शालेय खेलकूद स्पर्धा में राष्ट्रीय राज्य या जिले में स्थान प्राप्त 10 विद्यार्थी भी भ्रमण में जाएंगे।

"निकाली चुनरी यात्रा " खेरे की माता को ओढ़ाई 51 मीटर की चुनरी, क्षेत्र की सुख शांति की कामना की

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। रविवार की शाम को 4:30 बजे सदर विधायक ललिता यादव के नेतृत्व में शहर में चुनरी यात्रा निकाली गई। चुनरी यात्रा पुरानी तहसील से प्रारंभ की गई, इसका समापन खेरे की देवी माता मंदिर में किया गया।

जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। चुनरी यात्रा में गाजे-बाजे के साथ निकली गई। यात्रा में शामिल श्रद्धालु आस्था से झूमते हुए माता मंदिर पहुंचे।

चुनरी यात्रा में भक्तों ने खेरे की देवी माता की 51 मीटर चुनरी ओढ़ाई। गाजे-बाजे के साथ निकली चुनरी यात्रा में शामिल श्रद्धालु आस्था से झूमते हुए माता मंदिर पहुंचे।

चुनरी यात्रा की आयोजक विधायक ललिता यादव ने बताया कि चुनरी यात्रा का आयोजन विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्र पर्व पर क्षेत्र की खुशहाली की कामना करते हुए मातारानी को चुनरी चढ़ाई गई है। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने मंदिर में जयकार लगाए। विधि-विधान से पूजन और आरती की गई। उसके बाद चुनरी और ध्वजा माता को अर्पित करते हुए प्रसाद वितरण किया गया।

यात्रा में प्रमुख रूप से नारायण काले, सुरेंद्र चौरसिया, भाजपा नेता देवेंद्र सिंह यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह मोनू, पूर्व जनपद अध्यक्ष मनीषा यादव, अशोक यादव, दिनेश यदुवंशी, राजू यादव, लक्ष्मण यादव, सरपंच धामची सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए ।

पीएमश्री योजना में बदलेगी जिले की 14 स्कूलों की सूरत

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पी.एम.श्री स्कूल योजना एक केन्द्र प्रवर्तित योजना है और इसके अंतर्गत चयनित सभी विद्यालय मॉडल स्कूल बनेगे और इनमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पूरी भावना समाहित होगी। इस योजना से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता का सुधार होगा अपितु विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए भी तैयार करने में मदद करेगी। इन विद्यालयों में समस्त आधुनिक सुविधाएं प्रदान की जायेगी। विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान प्रयोगशालायें, कम्प्यूटर लैब और डिजिटल लाईब्रेरी जैसी सुविधाओं से लैस किया जायेगा।

एपीसी रमसा डॉ सुजीत मिश्र ने जानकारी देकर बताया कि कुसमी ब्लाक में शा.उ.मा.वि. टमसार एवं गोतरा, मझौली में टिकरी एवं चमराडोल, रामपुर नैकिन में बागढ, कन्या चुरहट, कन्या हाईस्कूल रामपुर नैकिन एवं हनुमानगढ, सीधी ब्लाक में चौफाल, माध्यमिक विद्यालय मधुरी, पनवार, कन्या आदर्श हाईस्कूल सीधी तथा सिहावल में खुटेली एवं हटवाखास कुल 14 विद्यालय चार चरणों में पी.एम.श्री स्कूल अंतर्गत चयनित हुये है।

इन विद्यालयों में बुनियादी व्यवस्थाओं जैसे शौचालय, पीने योग्य पानी, विद्युत व्यवस्था, इन्टरनेट सुविधा, फर्नीचर उपलब्धता, विद्यांजलि पोर्टल पर विद्यालयों का पंजियन, आपस में बेहतर समन्वय कर संचालन सुनिश्चित करना, जन सहयोग, पूर्व छात्रों के सहयोग और शासन के संयुक्त प्रयास से पी.एम.श्री विद्यालय के लक्ष्यों को बेहतर तरीके से प्राप्त किया जाना है। इन स्कूलों में समस्त बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी, ताकि बच्चों को कोई परेशानी न हो।

संपादकीय

लंबे कार्य–घंटों में छिपी अमानवीयता

श्रम मंत्री ने कहा है कि अन्ना की मौत के मामले की जांच शुरू हो चुकी है और सात से 10 दिन में रिपोर्ट आ जाएगी। लेकिन रिपोर्ट क्या आएगी? क्या लंबे कार्य-घंटों के चलन में कोई गोपनीयता है? अर्न्स्ट एंड यंग (ईएंडवाई) की कर्मचारी अन्ना सिबैस्टियन पेरायिल की मौत के सोशल मीडिया पर बड़ा मुद्दा बनने के बाद लंबे कार्य-घंटों में छिपी अमानवीयता को लेकर भारतीय राजनेताओं की संवेदना में क्षणिक हलचल दिखी है। अन्ना के गृह राज्य यानी केरल के नेता ज्यादा आहत नजर आए हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कार्य-घंटों को सीमित करने के लिए एक निजी मेंबर बिल पेश करने की घोषणा की है। थरूर ने कहा है कि किसी को भी एक दिन में आठ घंटों के ज्यादा' काम नहीं करना चाहिए। मामला गरम होते देख सत्ताधारी नेता भी विवाद में कूदे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने कॉलेजों एवं संस्थानों को सलाह दी कि वे अपने यहां छात्रों को काम के तनाव को संभालने के लिए प्रशिक्षण का इंतजाम करें। श्रम राज्य मंत्री शोभा करांडजले ने मामले की जांच की घोषणा की। अब श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा है कि जांच शुरू हो चुकी है और सात से 10 दिन में रिपोर्ट आ जाएगी। लेकिन रिपोर्ट क्या आएगी? क्या लंबे कार्य-घंटों के चलन में कोई गोपनीयता है? यह आज की कार्य संस्कृति का हिस्सा है, जिसे बढ़ावा देने में खुद सरकारों का योगदान है। इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति खुलेआम कर्मचारियों से हफ्ते में 70 घंटे काम लेने की वकालत कर चुके हैं। अन्ना ने अपनी मां को लिखे पत्र में कहा था- काम का बोझ, नया माहौल, और लंबे कार्य-घंटों की कीमत उसे शारीरिक, भावनात्मक, और मानसिक रूप से चुकानी पड़ रही है। लेकिन क्या यह सिर्फ किसी एक कर्मचारी की व्यथा कथा है? ईएंडवाई बहुराष्ट्रीय कंपनी है। उसमें नौकरी हाई-प्रोफाइल मानी जाती है। उसके कर्मचारी उच्च मध्य वर्ग का हिस्सा होते हैं। संभवतः यह भी एक कारण है, जिसकी वजह से अन्ना की मौत मुद्दा बनी और राजनेताओं की संवेदना को भी छू सकी। वरना, इसी समय तमिलनाडु स्थित सैमसंग कंपनी में मजदूरों की हड़ताल चल रही है। कार्य-स्थियों में सुधार उनकी भी एक प्रमुख मांग है। लेकिन यह खबर कितने लोगों के पास है? तो कुल मिलाकर मामला सोशल मीडिया तूफान का है, जिसके थमते ही नेताओं की भावनाएं भी यथास्थिति में चली जाएंगी।

उत्तरप्रदेश में कांग्रेस और सपा के बीच सीट बंटवारे की खींचतान क्या होगा भविष्य?

अजय कुमार

यूपी में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के बीच उपचुनावों को लेकर चल रही वार्ता में खटास बढ़ती जा रही है। आने वाले उपचुनावों में 10 सीटों पर चुनाव होना है, और दोनों दलों के बीच सीटों के बंटवारे पर असहमति नजर आ रही है। कांग्रेस, जो इस बार 5 सीटें मांग रही है, सपा के साथ एक ठोस गठबंधन बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। वहीं, सपा सिर्फ 1 से 2 सीटें देने पर ही सहमत है। कांग्रेस की मांग की गई सीटों में मिर्जापुर की मझवा, प्रयागराज की फूलपुर, गाजियाबाद, खैर और मीरापुर शामिल हैं। हालांकि, सपा इस मांग को लेकर साफ स्थिति में नहीं है, जिससे दोनों दलों के बीच बातचीत और अधिक जटिल हो गई है। इस स्थिति को भांपते हुए, कांग्रेस ने सभी 10 सीटों पर प्रभारी और पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिए हैं, जो संबंधित सीटों पर समेलन कर रहे हैं। इन समेलनों के माध्यम से कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय करने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस का यह दृष्टिकोण 50–50 फॉर्मूले पर आधारित है। पार्टी का मानना है कि जिन 10 सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, उनमें से 5 सीटें पिछली बार भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने जीती थीं और उन पर सपा का प्रभाव कम है। इसलिए, कांग्रेस का तर्क है कि उन्हें एनडीए वाली सीटें मिलनी चाहिए, जबकि सपा को अपनी पुरानी 5 सीटों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह एक तरह का प्रयोग है, जिससे कांग्रेस आगामी 2027 विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीति को मजबूत करना चाहती है। अगर कांग्रेस इस बार 5 सीटें हासिल करने में सफल रहती है, तो इसका असर भविष्य के चुनावों में भी देखने को मिल सकता है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने हाल ही में कहा था कि पार्टी केवल उन सीटों पर बात करना चाहती है जहां पिछले चुनावों में भाजपा और उसके सहयोगियों को जीत मिली थी। उनके अनुसार, जिन सीटों पर सपा ने सफलता पाई थी, वहां कांग्रेस के कार्यकर्ता सपा का साथ देंगे, जबकि भाजपा के मजबूत क्षेत्रों में वे खुद मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। यह स्थिति सपा के लिए असहज हो रही है, क्योंकि यदि वे कांग्रेस को अधिक सीटें देती हैं, तो इसका मतलब होगा कि वे अपने जनाधार को कम कर रहे हैं।

2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और सपा ने मिलकर चुनाव लड़ा था, जिसे %दो लड़कों% की जोड़ी के रूप में प्रस्तुत किया गया था। उस चुनाव में सपा ने 298 सीटों पर और कांग्रेस ने 105 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। उसके बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में भी इन दोनों दलों ने साथ में चुनाव लड़ा, जिसमें सपा ने 63 और कांग्रेस ने 17 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे। इस चुनाव में सपा ने 37 और कांग्रेस ने 6 सीटें जीतकर भाजपा को कड़ी चुनौती दी थी।

हालांकि, अब सपा एक बार फिर से वैसी ही स्थिति में जाने से बचना चाहती है, जहां उन्हें कांग्रेस को अधिक सीटें देने की मजबूरी झेलनी पड़े। इसके बजाय, सपा अधिकतम 1–2 सीटें देने का पक्षधर है, ताकि उनकी खुद की स्थिति मजबूत बनी रहे। कांग्रेस इस बार समर्पण के साथ अपने लिए अधिक सीटें मांग रही है, जिससे यह संकेत मिलता है कि वह भविष्य की चुनावी राजनीति में अपनी स्थिति को मज़बूत करने के लिए गंभीर है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर कांग्रेस इस बार अपने लिए 5 सीटें हासिल कर लेती है, तो यह आने वाले विधानसभा चुनावों में उनकी स्थिति को मजबूत कर सकता है। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और वे 2027 के चुनावों में 403 सीटों वाली विधानसभा में कम से कम 200 सीटों पर दावेदारी ठोकने की स्थिति में आ जाएंगे।

इस विवादित स्थिति में, जहां दोनों दलों के बीच तालमेल की कमी है, यह देखना होगा कि आखिरकार यह खींचतान किस दिशा में जाएगी। क्या सपा अपने जनाधार को बचाने में सफल होगी या कांग्रेस अपनी मांगों को मनवाने में कामयाब होगी, यह भविष्य में तय होगा। यूपी की राजनीति में यह एक महत्वपूर्ण मोड़ हो सकता है, जो आगे चलकर दोनों दलों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

आप की एंट्री भाजपा और कांग्रेस की टेंशन

अनिल चतुर्वेदी

हरियाणा चुनाव में आप पार्टी की एंट्री ने भाजपा और कांग्रेस की टेंशन बढ़ा रखी है। दोनों ही पार्टियाँ जीत को लेकर जितनी आश्वस्त थीं उससे कहीं ज़्यादा अब दबाब में दिख रही हैं। यह अलग बात है कि केजरीवाल की पिटारी में भाजपा को कोसने और दिल्ली को दी गई फ़्री के लॉलीपॉप के अलावा कुछ और नहीं है पर अपने अलग अंदाज में दिए जा रहे भाषणों से वे ऐसी ताक़त बनने के फेर में लगे हुए हैं जिसके बिना हरियाणा में सरकार बनाने में इन दोनों पार्टियों को केजरीवाल की ज़रूरत महसूस हो। कांग्रेस अगर सूबे में सत्ता परिवर्तन देख रही है तो भाजपा सत्ता में तीसरी बार लौटने के लिए बेताल है। भाजपा को भरोसा है कि आप कांग्रेस का दलित और पिछड़े वर्गों के वोटों में सेंध लगाने के साथ ही जाट वोटों को काटेगी जिससे भाजपा को फ़ायदा होगा। जबकि कांग्रेस को अपने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा पर भरोसा है। यही बजह रही कि हुड्डा को इस बार पार्टी हाईकमान ने पूरी छूट दी हुई है। यहाँ तक कि 90 सीटों वाली विधानसभा में 75 फ़ीसद टिकट हुड्डा की इच्छा से ही दिए गए हैं। जबकि केजरीवाल इन चुनावों में खुद को तीसरी बड़ी ताक़त बना लेना चाहते हैं। वे हरियाणा में मुफ़्त बिजली के साथ पिछले सभी बिल माफ़, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा के साथ ही हरेक महिला को एक हज़ार रूपये देने की मुनादी पीटकर हरियाणा में अपनी ज़मीन तैयार करने में लगे हैं। मज़े की बात है कि केजरीवाल यह भी बता रहे हैं कि दूसरी पार्टियों की तरह उनकी दी जाने वाली गारंटियाँ फ़र्ज़ी नहीं हैं।और रही बची कसर उनकी पत्नी यह कहकर पहले ही पूरी कर चुकी हैं कि अरविंद का जन्म जन्माष्टमी पर हुआ था और भगवान उनसे कुछ अच्छा ही कराना चाहते हैं। अब भला हरियाणा में कौन बना पाता है सरकार और कौन रह जाता है बेकार यह तो रही इंतज़ार की बात, पर यह ज़रूर दिख रहा है कि गिरफ़्तारी के दौरान राजनीति में जो कुछ भी केजरीवाल ने खोया होगा उसे वे हरियाणा विधानसभा चुनावों में हासिल कर लेना चाहते हैं।

आतिशी का दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के साथ ही सत्ता के गलियारों में अगले साल दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनावों में आप पार्टी से सीएम के चेहरे को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। फ़रवरी में चुनाव होने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में आतिशी का कार्यकाल मात्र चार महीने का ही बचेगा। यानी दिल्ली के लिए बहुत कुछ करने की उनकी इच्छा भी दफ़्न हो लेगी। यह अलग बात है कि भरत की भूमिका में काम कर रहीं आतिशी को राजनीति के जिन दाँवपेंच या उम्मीदों में सीएम बनाया गया है उससे उनकी फिर से सीएम बनने की न तो बहुत इच्छा रह जानी है और न ही उम्मीदें पर सवाल तब यही बचेगा कि आप पार्टी की सरकार बनने में क्या वे सरकार में तीसरे नंबर की रहेंगी। ज़ाहिर है कि वे अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया से वरिष्ठ नहीं होगीं। राजनीतिक गलियारों में तभी यह चर्चा है कि पार्टी या तो चुनाव में विना चेहरे के उतरेगी या फिर भाजपा कांग्रेस को गरियाते हुए केजरीवाल का चेहरा ही चुनाव में होगा। हालाँकि पार्टी भाजपा के चुनावी तीरों के चलते ऐसा करने बचती दिख रही है लेकिन उसके सामने फिर आतिशी के अलावा दूसरा चेहरा नहीं हो पाएगा। भला मनीष सिसोदिया का पार्टी में कोई तोड़ न हो और सरकार में रहते शिक्षकों लेकर जो किया लोग जान चुके हैं पर ऐसा नहीं लगता कि पार्टी मनीष के चेहरे पर चुनाव लड़े। तय मानिए कि विधानसभा चुनावों में आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन नहीं होना है ऐसे में उत्साही भाजपा बहुत कुछ करने के लिए व्याकुल रहे और कांग्रेस और आप में चलने वाली खींचातानी में ही उसे अपना दिल्ली का भविष्य नज़र आ रहा हो। लेकिन फिलाहल दिल्ली के लोग भाजपा को दिल्ली से दूर रहते देख रहे हैं।

अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

प्रह्लाद सबनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों एवं भारतीय समाज के लिए संघ के अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करना एक गर्व का विषय हो सकता है। संघ के स्वयंसेवक समाज में अपना सेवा कार्य पूरी प्रामाणिकता से बहुत ही शांतिपूर्वक तरीके से करते रहते हैं। वरना, भारत सहित पूरे विश्व में आज ऐसा माहौल बन गया है कि कुछ संगठन जो समाज में सेवा कार्य करते तो बहुत थोड़ा है परंतु उस कार्य का बहुत अधिक प्रचार प्रसार करते हैं। इसके ठीक विपरीत संघ के स्वयंसेवक चुपचाप समाज में अपने ईश्वरीय कार्य को सम्पादित करते रहते हैं, कई बार तो संघ के पदाधिकारियों को भी इस बात का आभास नहीं हो पाता है कि हमारे संघ के स्वयंसेवकों ने समाज में कोई विशेष सेवा कार्य सम्पन्न किया है। दरअसल, संघ के स्वयंसेवकों को यह संस्कार संघ की शाखा में प्रदान किए जाते हैं। और, इसी प्रकार की कई अन्य विशेषताओं के चलते, आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूरे विश्व में सबसे बड़ा सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठन कहा जाने लगा है। भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में शायद ही कोई ऐसा संगठन रहा होगा जो अपनी स्थापना के समय से ही निर्धारित किए गए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की ओर लगातार सफलतापूर्वक आगे बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना उस समय हुई थी, जब अंग्रेजों की दासता में भारतीय संस्कृति का सर्वनाश हो रहा था। इससे व्यथित होकर डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना विजयादशमी के पावन अवसर पर वर्ष 1925 में की थी। मार्च 2024 में संघ की नागपुर में आयोजित प्रतिनिधि सभा में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 922 जिलों, 6597 खंडों एवं 27,720 मंडलों में 73,117 दैनिक शाखाएं हैं, प्रत्येक मंडल में 12 से 15 गांव शामिल हैं। समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में संघ की प्रेरणा से 40 से अधिक विभिन्न संगठन अपना कार्य कर रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण तथा हिंदू समाज को संगठित करने में अपना योगदान दे रहे हैं। देश में राजनैतिक कारणों के चलते संघ पर तीन बार प्रतिबंध भी लगाया गया है- वर्ष 1948, वर्ष 1975 एवं वर्ष 1992 में - परंतु तीनों ही बार संघ पहिले से भी अधिक सशक्त होकर भारतीय समाज के बीच उभरा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिंदू शब्द की व्याख्या सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संदर्भ में करता है जो किसी भी तरह से (पश्चिमी) धार्मिक अवधारणा के समान नहीं है। इसकी विचारधारा और मिशन का जीवंत सम्बंध स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, बाल गंगाधर तिलक और बी सी पाल जैसे हिंदू विचारकों के दर्शन से हैं। विवेकानंद ने यह महसूस किया था कि एक सही अर्थों में हिंदू संगठन अत्यंत आवश्यक है जो हिंदुओं को परस्पर सहयोग और सराहना का भाव सिखाए। स्वामी विवेकानंद के इस विचार को डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने व्यवहार में बदल दिया। उनका मानना था कि हिंदुओं को एक ऐसे कार्य दर्शन की आवश्यकता है जो इतिहास और संस्कृति पर आधारित हो, जो उनके अतीत का हिस्सा हो और जिसके बारे में उन्हें कुछ जानकारी हो। संघ की शाखाएं 卐स्व卐 के भाव को परिशुद्ध कर उसे एक बड़े सामाजिक और राष्ट्रीय हित की भावना में मिला देती हैं। वस्तुतः यह कह सकते हैं कि हिंदू राष्ट्र को स्वतंत्र करने व हिंदू समाज, हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति की रक्षा कर राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने के उद्देश्य से डॉक्टर साहब ने संघ की स्थापना की। आज संघ का केवल एक ही ध्येय है कि भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित करना।

संघ के संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार जी की दृष्टि हिंदू संस्कृति के बारे में बहुत स्पष्ट थी एवं वे इसे भारत में पुनः प्रतिष्ठित कराना चाहते थे। डॉक्टर साहब के अनुसार, हिंदू संस्कृति हिंदुस्तान का प्राण है। अतएव हिंदुस्तान का संरक्षण करना हो तो हिंदू संस्कृति का संरक्षण करना हमारा पहला कर्त्तव्य हो जाता है। हिंदुस्तान की हिंदू संस्कृति ही नष्ट होने वाली हो तो, हिंदू समाज का नामोनिशान हिंदुस्तान से मिटने वाला हो, तो फिर शेष जमीन के टुकड़े को हिंदुस्तान या हिंदू राष्ट्र कैसे कहा जा सकता है? क्योंकि राष्ट्र जमीन के टुकड़े का नाम तो नहीं हैज्ज यह बात एकदम सत्य है। फिर भी हिंदू धर्म तथा हिंदू संस्कृति की सुरक्षा एवं प्रतिदिन विधर्मियों द्वारा हिंदू समाज पर हो रहे विनाशकरी हमलों को कांग्रेस द्वारा दुरलक्षित किया जा रहा है, इसलिए इस अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आवश्यकता है।

जिस खंडकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी वह मुस्लिम तुष्टिकरण का काल था। वर्ष 1920 में देश में खिलाफत आंदोलन शुरू हुआ। मुसलमानों का नेतृत्व मुल्ला–मौलवियों के हाथों में था। इस खंडकाल में मुसलमानों ने देश में अनेक दंगे किए। केरल में मोपला मुसलमानों ने विद्रोह किया। उसमें हजारों हिंदू मारे गए। मुस्लिम आक्रांताओं के आक्रमण के कारण हिंदुओं में अत्यंत असुरक्षिता की भावना फैली थी। हिंदू संगठित हुए बिना मुस्लिम आक्राताओं के सामने टिक नहीं सकेंगे, यह विचार अनेक लोगों ने प्रस्तुत किया और इस प्रकार हिंदू हितों के रक्षार्थ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई। संघ के प्रयासों से भारत में विस्मृत राष्ट्रभाव का पुनर्जागरण प्रारम्भ हुआ। स्वामी विवेकानंद ने वेदांत के आधार पर सार्वभौम हिंदुत्व का प्रचार किया। आधुनिक भारत के अंतरराष्ट्रीय शंकराचार्य के रूप में उन्हें प्रतिष्ठित किया जा सकता है। उनके प्रयासों से हिंदू धर्म का न केवल उद्धार हुआ।

मां बम्लेश्वरी मंदिर में भगदड़ से महिला की मौत

नवरात्रि में पहली बार डोंगरगढ़ पहुंचे ढाई लाख से ज्यादा श्रद्धालु, धमतरी की थी निवासी

मीडिया ऑडीटर, राजनांदगांव एजेंसी। छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ स्थित मां बम्लेश्वरी मंदिर में दर्शन के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि, एक लाख की क्षमता वाली जगह पर नवरात्रि में करीब ढाई लाख श्रद्धालु पहुंच गए। घटना रात करीब 12 बजे के आस-पास की है।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार की रात नवरात्रि में मां के दर्शन के लिए श्रद्धालु डोंगरगढ़ पहुंचे। देर रात बैरिकेड्स लगाकर सभी को रोक दिया गया। जब उन्हें दर्शन करने के लिए छोड़ा गया, तो एकाएक भगदड़ मच गई। जिससे कई युवा, महिला और बुजुर्ग श्रद्धालुओं की चपेट में आ गए।

धमतरी की रहने वाली थी महिला: इस हादसे में धमतरी निवासी सोनल साहू (36) गंभीर रूप से जख्मी हो गई। महिला को सुबह 5 बजे इलाज के लिए डोंगरगढ़ अस्पताल लाया गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। एडिशनल एसपी राहुदेव शर्मा ने इसकी पुष्टि की है।

सफोकेशन के चलते गई महिला की जान: बीएमओ बीपी एक्का का कहना है कि, महिला सफोकेशन के कारण बेहोश होकर गिर गई थी। जिसे इलाज के लिए यहां लाया गया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही महिला की मौत हो चुकी थी। पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजनों को शव सौंप दिया गया है।

अधिक भीड़ के चलते हुआ हादसा: राजनादगांव कलेक्टर संजय अग्रवाल ने बताया कि, डोंगरगढ़ में बड़ी संख्या में भक्त पहुंच गए थे। हमने स्थानीय लोगों से बात की तो उन्होंने बताया कि ऐसी ऐतिहासिक भीड़ यहां पहले कभी नहीं आई थी। भीड़ के चलते ही हादसा हुआ है।

श्रद्धालु जल्दबाजी न करें, अपनी बारी का करें इंतजार- कलेक्टर: दर्शन के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुओं से कलेक्टर ने आग्रह किया है कि उपवास, पैदल चलने और भीड़ के कारण घबराहट और बैचेनी हो सकती है। श्रद्धालु दर्शन के लिए जल्दबाजी न करें। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। बुजुर्ग, बच्चों, माताओं और दिव्यांगजनों को दिक्कत हो सकती है। उनका ध्यान रखते हुए सभी अपनी बारी आने पर दर्शन करें।

जगह-जगह की गई है बैरिकेडिंग: मां बम्लेश्वरी मंदिर में लगातार बढ़ रही भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई है। जिससे भीड़ को नियंत्रित किया जा सके और किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। स्वास्थ्य चेकअप की भी व्यवस्था की गई है।

कुलदेवी के सामने काटा गला

खून से सनी कैंची उंगलियों में फंसी मिली, परिजन दरवाजा तोड़कर घुसे तो पड़ा मिला शव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में अपनी कुलदेवी के पास जाकर एक बुजुर्ग ने खुद का गला काट दिया। घटना के बाद बुजुर्ग के हाथों में कैंची फंसी मिली है। जिस समय घटना हुई घर में कोई नहीं था। मामला धरसींवा थाना इलाके का है। बलि की आशंका भी जताई जा रही है।

धरसींवा थाना प्रभारी राजेंद्र दीवान ने बताया कि सिलियारी चौकी के निनवा गांव में यह घटना हुई। घर वाले दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे तो बुजुर्ग की लाश जमीन पर लहूलुहान हालत में पड़ी हुई थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

जमीन पर बिखरा हुआ था खून: पुलिस ने बताया कि, जब पहुंचे तो भुनेश्वर यादव (55) लहूलुहान हालात में मिला। घर के अंदर किचन के पास ही वह जमीन पर पड़ा हुआ था। बुजुर्ग का खून इतना ज्यादा बह गया था कि आस-पास जमीन भी खून से सनी हुई थी। अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौके से खून से सनी एक कैंची भी मिली है।

कैंची से खुद का गला काटा: आशंका जताई जा रही है कि भुनेश्वर ने कुलदेवी के सामने कैंची से खुद का गला काटा होगा। चर्चा है कि उसने खुद की बलि देकर कुलदेवी को खुश करने के लिए ऐसा किया है। हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है। पूछताछ में घर के लोग भी सिर्फ आत्महत्या की बात बता रहे हैं।

दरवाजा तोड़कर घुसे परिवार वाले: पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, घटना के वक्त भुवनेश्वर घर पर अकेला था। इस दौरान उसने कमरे में खुद को बंद कर लिया था। कुछ देर बाद जब घर वालों ने उसकी तलाश की तो अंदर का कमरा बंद था। काफी आवाज देने पर भी जब दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों ने तोड़ा दिया।

बेटे बहू के साथ रहता था मृतक: भुनेश्वर यादव अपनी पत्नी और दो बेटे बहू के साथ रहता है। वह खेती किसानी करता है। घटना के दौरान उसकी पत्नी और बच्चे खेत पर काम करने गए थे। इसके अलावा भुवनेश्वर लंबे समय से सीने में हो रहे दर्द से जूझ रहा था। यह भी आशंका है कि इस दर्द से छुटकारा पाने के लिए उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया हो। फिलहाल पुलिस ने बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इसके बाद लाश परिजनों को सौंपी जाएगी।

दो दिन बाद अपने ही जाल में फंसा मिला मछुआरा

चेक डेम में मछली पकड़ने गया था, रेस्क्यू के लिए बिलासपुर से पहुंची डीडीआरएफ की टीम

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला के धरमजयगढ थाना क्षेत्र अंर्तगत एक मछुआरा का मछली पकड़ते दौरान अपने ही जाल में फंस जाने से पानी में डूबकर मौत हो गई। जिसके बाद उसकी खोजबीन की गई। दो दिन बाद पानी में उसका शव देखा गया। मामले में धरमजयगढ़ पुलिस मर्ग कायम कर आगे की जांच में जूट गई है। नराईटिकरा जेलपारा का रहने वाला संजय यादव पिता प्राण यादव 47 साल मछली पकड़कर अपना व अपने परिवार को भरण पोषण करता था। 4 अक्टूबर की दोपहर को दो अन्य मछुआरों के साथ वह आमदरहा चेक डेम में मछली मारने गया था। डेम में उतरकर वह जाल को हाथ और कमर में बांध रखा था और जब जाल फेंका तो वह खुद उसी जाल में फंस गया। इसके बाद तेज बहाव के कारण वह पानी में डूब गया। साथ गए मछुआरे उसे खोजने की कोशिश किए, लेकिन वह नहीं मिला। ऐसे में उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी।

बिलासपुर से पहुंची डीडीआरएफ की रेस्क्यू टीम: अन्य मछुआरे व ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने डेम में उसकी खोजबीन की, लेकिन वह नहीं मिला। ऐसे में अगले दिन रायगढ़ से एसडीआरएफ की टीम आमदरहा पहुंची और सुबह से लेकर शाम तक पानी में उसको तालाश किया गया, पर कुछ भी पता नहीं चला। तब कल रात बिलासपुर से डीडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। जहां आज डीडीआरएफ की टीम खोज कर रही थी, तो घटना स्थल से करीब एक किमी दूर जाल में फंसा हुआ उसका शव नदी किनारे मिला।

पुलिस आगे की कार्रवाई में जूटी: इस संबंध में धरमजयगढ़ थाना प्रभारी कमला पुशाम ने बताया कि शव को बाहर निकाला गया और मर्ग कायम करते हुए पुलिस आगे की कार्रवाई में जूट गई है। बताया जा रहा है कि उसकी दो बेटी है। आसपास मछली मारने के लिए हर दिन वह जाया करता था और हाथ और कमर में जाल को बांधने के कारण वह निकल नहीं सका। जिसके कारण उसकी मौत हो गई।

22 लोगों से भरी पिकअप पलटने से एक की मौत

14 लोग गंभीर रूप से घायल, नवा रायपुर जा रहे थे मजदूरी करने

मीडिया ऑडीटर, रायपुर निप्र। रायपुर में 22 मजदूरों से भरी तेज रफ्तार पिकअप पलटने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि 14 मजदूर बुरी तरह घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि सभी लोग सुबह काम करने जा रहे थे, तभी हादसे का शिकार हो गए। मामला अभनपुर थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक, पिकअप रायपुर पासिंग नंबर की है। ड्राइवर प्रेमलाल गेंदले चला रहा था। सभी 22 मजदूर रविवार सुबह 10 बजे के करीब अलग-अलग अभनपुर क्षेत्र के खोला और पोंड गांव से नवा रायपुर काम करने के लिए जा रहे थे।

पिकअप पलटने से मची चीख-पुकार: इस दौरान तेज रफ्तार चलते हुए पिकअप थनौद गांव के पास पहुंची थी, तभी वह सड़क पर अनियंत्रित होकर पलट गई। पिकअप पलटते ही मजदूरों के बीच चीख पुकार मच गई। इस दौरान कुछ मजदूर पिकअप के नीचे दब गए तो वहीं कुछ सड़क पर दूर फेंका गए।

एक व्यक्ति की मौत: सड़क से गुजर रहे लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। इसके बाद मेडिकल टीम ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे में पोंड गांव के रहने वाले तोम लाल साहू की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तोम पिकअप ने नीचे दब गया था, जिसे अन्दरूनी हिस्से में चोंटे आई थी। एक्सीडेंट के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया है।

घायलों की जानकारी

1.नरेंद्र कुमार बघेल पिता पुनीत राम बघेल (42) ग्राम खोला थाना अभनपुर, 2. चंद्रवती पति संतोष तारक (50) ग्राम खोला थाना अभनपुर, 3. जमुना सोनवानी पति मोतीलाल (40) ग्राम खोला, 4. तुलसी बाई पति कपिल (35) ग्राम खोला, 5. रेखा पति मुकेश ढीढी (25) ग्राम खोला, 6. चित्ररेखा पति राकेश कुमार ढिढ़ी (26) ग्राम खोला, 7. सविता टंडन पति नंद कुमार टंडन (40) ग्राम खोला, 8. प्रियांशु बघेल पिता नरेंद्र बघेल (18) ग्राम खोला, 9. सोनार कौशिक पिता खूबचंद (50) ग्राम खोला, 10. हितेश कुर्रे पिता शंकर लाल कुर्रे (32) ग्राम खोला, 11. रुक्मणी तारक पति मुक्ती तारक (47) ग्राम खोला, 12. रुक्मिणी बाई पति चेतराम सोनवानी (36) ग्राम खोला, 3. पूर्णिमा बघेल पति नरेंद्र बघेल (36) ग्राम खोला, 14. मनोज पाल पिता गांव गौरव पाल (36) ग्राम पोंड थाना गोबरा नावापारा

रोजाना 1 लाख लोग बन रहे भाजपाई

60 लाख टारगेट, 32 दिन में 32 लाख बने सदस्य, लेकिन 3 फिल्टर से होगी छंटनी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ में हर दिन करीब 1 लाख लोग भाजपा की प्राथमिक सदस्यता ले रहे हैं। भाजपा नेताओं का दावा है कि 3 सितंबर से लेकर अब तक 32 लाख लोगों ने सदस्यता ली है। ये सदस्यता मिस कॉल और ऑफलाइन फॉर्म भर के ली गई है।

पार्टी ने प्रदेश में 60 लाख लोगों को सदस्यता दिलाने का टारगेट रखा गया है। बीजेपी नेताओं का कहना है कि छत्तीसगढ़ में अब तक भाजपा की सदस्यता लेने का पार्टी का ही अपना रिकॉर्ड टूट चुका है। हालांकि अभी आवेदनों की स्क्रूटनी बाकी है। आवेदन करने वालों के दस्तावेजों की जांच जांच शक्ति केंद्रों, बूथ स्तर और मंडल स्तर से होगी। फिर बैकग्राउंड चेक होगा। यदि वह व्यक्ति अन्य किसी दल का सदस्य होगा, या आपराधिक रिकॉर्ड होगा तो उसकी सदस्यता रद्द कर दी जाएगी।

बैठक लेकर जारी किया निर्देश: भाजपा के सभी नगर अध्यक्षों, जिलाध्यक्षों और सदस्यता अभियान प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि पार्टी का सदस्य बनाते वक्त पूरी सावधानी बरतें। स्क्रूटनी के दौरान प्राथमिक सदस्य की अपराधी छवि मिलने पर संगठन को जानकारी मांगी जा रही है। इसे लेकर भाजपा की सदस्यता कमेटी से जुड़े प्रदेश के अलग-अलग जिलों और मंडलों में बैठक लेकर शक्ति केंद्र प्रभारी, बूथ प्रभारी और मंडल स्तर के पदाधिकारियों को निर्देश जारी कर रहे हैं।

फरार चल रहे 14 आरोपी गिरफ्तार

गश्त के दौरान बाइक चोर भी पकड़ाया, वारंटियों के खिलाफ लगातार चलेगा अभियान

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर जिले में पुलिस ने गिरफ्तारी वारंट की तामिली और फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया। कोनी और सरकंडा थाना इलाके से 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। कोर्ट की तरफ से जारी 10 स्थायी और 4 गिरफ्तारी वारंट की तामिली का पुलिस ने दावा किया है। पुलिस गश्त के दौरान जिन वारंटियों को गिरफ्तार किया गया, उनमें सरकंडा का शिव कुमार उर्फ खर्रा यादव (32), भरत उर्फ भरतराम ध्रुव (32), गोविंद यादव उर्फ सोनू (23), किशोर केंवट, संतोष साहू, विजय यादव उर्फ नंदू, मोनू उर्फ पांडो ठाकुर, विरेन्द्र पाण्डेय, सुरेश कुमार निषाद, रमेश दास शामिल है।

ये आरोपी हुए गिरफ्तार: वहीं, सीपत थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किए गए आरोपियों में धर्मेंद्र उर्फ लीली वर्मा, उमेश कुमार सूर्यवंशी उर्फ गोलू, जीवन लाल और तिलसी राम पटेल शामिल है। एसपी रजनेश सिंह ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में अपराधियों और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बदमाशों की निगरानी और फरार आरोपियों के धरपकड़ के निर्देश दिए हैं।

जिसके बाद अति. पुलिस अधीक्षक (शहर) उमेश कश्यप, सीएसपी सरकंडा सिद्धार्थ बघेल के मार्गदर्शन में निरीक्षक तोपसिंह नवरंग (सरकंडा), निरीक्षक निलेश पांडे (सीपत) और निरी नवीन देवांगन (कोनी)के नेतृत्व में पृथक-पृथक टीम ने 14 आरोपियों को पकड़ा।

शातिर बाइक चोर पुलिस के हत्थे चढ़ा: घर के सामने रखे बाइक की चोरी करने के मामले में सरकंडा पुलिस ने दीपक प्रजापति (24) को गिरफ्तार कर चोरी गई बाइक बरामद कर लिया। अशोक विहार फेस 2, गली नं. 7 निवासी प्रियांशु अनंत ने 5 अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि, 2 अगस्त की रात उसके घर के पोर्च पर खड़ी पल्सर क्रमांक ष्टत्न 12.त्त 0229 को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। सरकंडा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि, दीपक प्रजापति नामक युवक चोरी के पल्सर बाइक में घूम रहा है। इस आधार पर थाना प्रभारी निरीक्षक तोपसिंह नवरंग के नेतृत्व में टीम ने घेरेबंदी कर चोर को गिरफ्तार कर लिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में अश्लील डांस

मैनपाट में फूहड़ गानों पर ऑर्केस्ट्रा की लड़कियों ने लगाए ठुमके, बिना अनुमति किया गया था आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। सरगुजा जिले के मैनपाट में एक आयोजन में जमकर अश्लील डांस और गाने चले। वीडियो 4 अक्टूबर का बताया जा रहा है जो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि नर्मदापुर के मिनी स्टेडियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया था।

जानकारी के मुताबिक, कुछ युवाओं ने मिलकर इस कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम की अनुमति भी नहीं ली गई है। वीडियो वायरल होने के बाद अब प्रशासन कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

रायगढ़ से बुलाया गया ऑर्केस्ट्रा ग्रुप: सांस्कृतिक कार्यक्रम के नाम पर अश्लील और फूहड़ डांस के साथ कई फूहड़ गाने भी गाए जा रहे थे। जिस ऑर्केस्ट्रा पार्टी ने कार्यक्रम की प्रस्तुति दी, वह रायगढ़ का बताया गया है। इसमें रायगढ़ के शिव शिवम लोककला मंच, ऑर्केस्ट्रा एवं डांस ग्रुप की युवतियों ने छोटे-छोटे कपड़े पहनकर जमकर अश्लील डांस किया।

प्रशासन से नहीं ली गई अनुमति, एफआईआर करेंगे- एसडीएम: नर्मदापुर में जहां यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, वहां पास में ही दुर्गा पूजा का आयोजन किया गया है। हालांकि इस आयोजन में दुर्गा पूजा समिति शामिल नहीं थी। सीतापुर एसडीएम रवि राही ने बताया कि इस तरह के आयोजन की अनुमति नहीं प्रशासन से नहीं ली गई थी। मामले में जानकारी जुटाई जा रही है। संबंधित ऑर्केस्ट्रा पार्टी के साथ ही आयोजकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

देर रात तक हाई बीट पर थिरके रायपुरियंस

बच्चों से लेकर लेकर बड़े तक गरबा के रंग में रंगे, पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे रहे लोग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। शरादीय नवरात्र के पहले दिन से ही रायपुर के अलग- अलग जगहों पर गरबा का आयोजन ह रहा है। परिवार के साथ ही कपल्स फुल-ऑन गरबा मोड में थिरकते दिख रहे है। गुढ़ियारी के मारुती मंगलम भवन, अवधपुरी मैदान,आशीर्वाद भवन अग्रसेन भवन समेत गुजराती समाज की ओर से आयोजित गरबा में बडी संख्या में पूरे जोश के साथ लोग गरबा-डांडिया खेलते नजर आ रहे है। रायपुर में गरबा उत्सव के दौरान लोगों में भाषाओं, वेशभूषा और खुशियों का अनोखा संगम देखने क को मिल रहा है। लोग पारंपरिक ड्रेस में गरबा करते नजर आ रहे है। वही ज्यादातर जगहों पर पारंपरिक वेशभूषा पर भी गरबा करने की अनुमति है।

एक जैसे कास्टयूम में गरबा: महाआरती के बाद गरबा मैदान प्रतिभागियों ने ग्राउंड में जोश और उल्लास के साथ श्याम तेरी बंसी पुकारे... ढोलिड़ा ढोल जैसे पारंपरिक गीतों के पंखिड़ा जैसे गानों पर साथ ट्रेंडिंग सॉन्गस पर गरबा किया। इस दौरान महिलाओं का ग्रुप एक जैसे कास्टयूम में गरबा करते नजर आया ।महिलाओं ने बताया कि वे नवरात्रि के 9 दिन अलग-अलग थीम पर तैयार होकर गरबा करते है।

रोजाना मिल रहा प्राइज: शहर में आयोजित गरबा आयोजन में रोजाना अलग-अलग कैटेगरी में प्राइस दिया जा रहा है। युनिक थीम ,पारंपरिक वेशभूषा बेस्ट कास्टयूम ,बेस्ट कपल, जैसे कैटिगरी में पुरस्कार दिया जा रहा ।

इन जगहों पर भी हो रहा गरबा: रायपुर में अनेक जगहों पर गरबा के बड़े आयोजन होते हैं। शहर के प्रमुख कार्यक्रमों की जानकारी नीचे दी गई है।

चर्च में लगी भीषण आग...पटाखे की तरह फूटे वायर

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई में क्रिश्चियन कम्युनिटी चर्च में शनिवार रात शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि चर्च में इलेक्ट्रिक स्पार्किंग की वजह से आग लगी। चर्च में दिवाली के पटाखों की तरह आवाजें और चिंगारियां निकल रही थी। मामला भिलाई के सेक्टर 6 थाना क्षेत्र का है।

क्रिश्चियन कम्युनिटी चर्च का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दिख रहा है कि कुछ लोग आग को बुझाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। आग लगते ही लोगों में भगदड़ मच गई।

चर्च परिसर के दूसरे हिस्से में आग लगी: जानकारी के अनुसार सेक्टर 6 स्थित कम्युनिटी चर्च में शनिवार को राज्य स्तरीय संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रदेशभर से कई प्रतिभागी शाम को वहां पहुंचे थे।

11 अक्टूबर को सुआ नृत्य प्रतियोगिता

माता के 9 स्वरूपों की झांकी के साथ निकली चुनरी यात्रा, आरु देंगी जसगीत की प्रस्तुती

मीडिया ऑडीटर, कांकेर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कांकेर में शारदीय नवरात्र के तीसरे दिन मां- दुर्गा के 9 स्वरूपों की झांकी के साथ भव्य चुनरी यात्रा निकाली गई। 109 मीटर लंबी चुनरी शहर के विभिन्न मंदिरों और पंडालो में विराजित माता को चुनरी चढ़ाई गई। छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक मंच, श्री श्री महाकाल सेवा समिति, शिव गौरा समिति और सर्व हिंदू समाज की ओर से पहली बार कांकेश्वरी नवरात्र महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी शुरुआत नवरात्रि के तीसरे दिन भव्य चुनरी यात्रा के साथ की गई।

शीतला मंदिर से निकली 109 मीटर चुनरी यात्रा: शनिवार रात 8 बजे शहर के माहुरबंद पारा स्थित शीतला मंदिर से पूजा अर्चना और आरती के बाद चुनरी यात्रा घड़ी चौक निकली। आमापारा, मांझापारा पुराना बस स्टैंड स्थित पंडालों में विराजित दुर्गा प्रतिमाओं में माता को चुनरी भेंट की गई। कलेक्ट्रेट मार्ग स्थित बड़े शीतला माता मंदिर टिकरापारा में आरती के यात्रा समाप्त हुई।

11 अक्टूबर को सुआ नृत्य प्रतियोगिता: कांकेश्वरी नवरात्र महोत्सव में 11 अक्टूबर को सुवा नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है। जिसमें कई जिलों के सुआ नृत्य की टीम प्रतियोगिता में शामिल होगी। साथ ही कांकेर में पहली बार लोक गायिका आरू साहू जसगीत की प्रस्तुती देंगी।

5 साल बाद नवरात्र में बड़ा आयोजन: बता दें की कांकेर में लंबे समय बाद नवरात्र में बड़ा आयोजन किया जा रहा है। 5 साल पहले तक नवरात्रि के दौरान कांकेर की पहचान कहे जाने प्रसिद्ध गढ़िया महोत्सव का आयोजन कई सालों से किया जाता था, लेकिन पिछले 5 वर्षों आयोजन नहीं हो पाया है। जिसे देखते हुए शहर के विभिन्न संगठनों और सर्व हिंदू समाज के द्वारा कांकेश्वरी नवरात्र महोत्सव का आयोजन किया गया है।

बंगाल में 10 साल की बच्ची से रेप-मर्डर का आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना के जयनगर में 10 साल की बच्ची की मौत मामले में परिवार ने कई दावे किए हैं। बच्ची की चाची ने बताया कि उसके शरीर पर कई चोटें थीं। हाथ-पैर टूटे हुए थे। परिवार ने पुलिस पर मामले को नजरअंदाज करने का भी आरोप लगाया। चाची ने बताया कि बच्ची 4 अक्टूबर को ट्यूशन गई थी। वापस लौटते समय लापता हो गई। उसके पिता ने बच्चे को हर जगह ढूंढने की कोशिश की लेकिन जब वह उसे नहीं ढूंढ पाए तो महिस्मारी पुलिस चौकी गए। हालांकि, वहां पुलिस ने उनकी एक नहीं सुनी और जयनगर थाने जाने को कहा। वहीं, सीएम ममता बनर्जी ने कहा- पुलिस को इस मामले में एक्ट के तहत केस दर्ज करना चाहिए। दोषियों को 3 महीने के भीतर मृत्युदंड मिले ये तय किया जाए। दरअसल, जयनगर के कृपाखाली इलाके के कुलटाली थाना क्षेत्र में स्थानीय लोगों ने 5 अक्टूबर को बच्ची का शव बरामद किया था। वह चौथी क्लास की छात्रा थी। परिवार ने बच्ची से रेप के बाद मर्डर का आरोप लगाया है। घटना के विरोध में भीड़ ने महिस्मारी पुलिस चौकी में आग लगा दी और पुलिसकर्मियों पर पथराव किया था।

92वें एयर फोर्स डे से पहले चेन्नई में एयर शो

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना 8 अक्टूबर को अपना 92वां स्थापना दिवस मनाने वाली है। इससे पहले 6 अक्टूबर को चेन्नई के मरीना बीच पर एयर शो हुआ। जिसमें राफेल, सूर्यकिरण और सारंग समेत 72 एयरक्राफ्ट्स ने करतब दिखाए। शो का सबसे बड़ा अट्रैक्शन पॉइंट प्रथम विश्वयुद्ध में इस्तेमाल हार्वर्ड टी-6 टैक्सन एयरक्राफ्ट रहा। भारतीय वायुसेना ने 1974 तक हार्वर्ड को इंटरमीडिएट ट्रेनर के रूप में इस्तेमाल किया था। एयर वाइस मार्शल के प्रेमकुमार के मुताबिक भारतीय वायुसेना ने लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां 15 लाख से ज्यादा लोग पहुंचे। शो में एडवांस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस, सारंग, सुखोई 30 एमकेआई, सी17, सी-295, अपाचे, लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर प्रचंड, डकोटा जैसे हैरिटेज एयरक्राफ्ट भी शामिल हुए।

स्त्री-2 कोरियोग्राफर जानी मास्टर से नेशनल अवॉर्ड वापस लिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नाबालिग असिस्टेंट से रेप के आरोपी जानी मास्टर से बेस्ट कोरियोग्राफर का नेशनल अवॉर्ड छीन लिया गया है। मिनिस्ट्री ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग ने रविवार को इसकी जानकारी दी। जानी के खिलाफ उनकी असिस्टेंट रही लड़की ने 15 सितंबर को तेलंगाना के साइबराबाद रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में ख्रक्रदर्ज करवाई थी। जानी मास्टर को साल 2022 में रिलीज हुई धनुष की फिल्म 'तिरुचित्रम्बालम' के गाने 'मेघम करुकथा' का डांस कोरियोग्राफ करने के लिए नेशनल अवॉर्ड दिया गया था। इस गाने को उन्होंने सतीश कृष्णन के साथ कोरियोग्राफ किया था। उन्होंने स्त्री-2 के गाने %आई नहीं% और पुष्पा के गाने %श्रीवल्ली% को भी कोरियोग्राफ किया है। असिस्टेंट का आरोप- जब 16 साल की थी, तब से यौन शोषण कर रहे जानी मास्टर के खिलाफ केस दर्ज कराने वाली लड़की का आरोप कि उन्होंने चेन्नई, मुंबई और हैदराबाद में अलग-अलग प्रोजेक्ट्स की शूटिंग के दौरान उसका यौन शोषण किया। साथ ही हैदराबाद स्थित अपने घर पर भी उसे कई बार एब्यूज किया। लड़की ने अपनी शिकायत में बताया कि साल 2017 में एक इवेंट में उसकी मुलाकात जानी मास्टर से हुई थी। दो साल बाद जानी ने उसे अपनी असिस्टेंट कोरियोग्राफर की जॉब ऑफर की, जो उसने मंजूर कर ली।

कन्या-पूजन मातृ-शक्ति की आराधना का प्रतीक-मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नवरात्रि पर होने वाला कन्या-पूजन मातृशक्ति की आराधना का प्रतीक है। साथ ही नवरात्रि, जीवन में ऋतु परिवर्तन की महत्ता को भी स्थापित करती है। सनातन परंपरा में विद्यमान उपवास की अवधारणा और उसके लाभ को आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था भी स्वीकार करती है। भारतीय संस्कृति मातृसत्ता की महत्ता को नमन करती है। हमारी संस्कृति में मां सरस्वती को ज्ञान की देवी और मां लक्ष्मी को धन संपदा की देवी के रूप में पूजा जाता है। भारतीय संस्कृति भोजन और भाव दोनों को महत्व देती है यह स्व से संपूर्ण ब्रह्मांड को एकाकार करने के विचार पर केंद्रित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सेवा भारती महावीर मंडल भोपाल द्वारा गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में आयोजित विशाल कन्या-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुष्प वर्षा कर कन्याओं का स्वागत और विधि-विधान से उनका पूजन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति जीव मात्र से प्रेम और शांति का संदेश देती है। यह हमारे सांस्कृतिक मूल्यों और देश का सामर्थ्य ही है, जिसके परिणामस्वरूप विश्व, शांति के लिए भारत की ओर देखता है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो या ईरान-इजराइल के बीच संघर्ष, शांति के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ओर सभी देश आशा से देख रहे हैं। यह हम सबके लिए गौरव का विषय है। नवदुर्गा शक्ति संचय का पर्व है, देश भी शक्ति सम्पन्न हो तथा अधिक से अधिक शक्ति संचय की ओर हम अग्रसर हों, इसी उद्देश्य से सेवा भारती संस्था समाज के सभी वर्गों के कल्याण और हित संवर्धन के लिए समर्पित है।

केजरीवाल बोले-हिम्मत है तो मोदी नवंबर में दिल्ली चुनाव कराएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि हिम्मत है तो नवंबर में महाराष्ट्र और झारखंड के साथ दिल्ली में भी विधानसभा चुनाव करके दिखाएं। हम चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। नहीं तो मान लें कि वे हार गए, डर गए। केजरीवाल ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री दिल्ली चुनाव से पहले एनडीए शासित 22 राज्यों में मुफ्त बिजली देने की घोषणा करेंगे तो मैं भाजपा के लिए प्रचार करूंगा। केजरीवाल ने दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में जनता की अदालत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। केजरीवाल बोले- हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में डबल इंजन सरकारें खत्म हो रहीं केजरीवाल ने कहा, मैंने कल टीवी पर एग्जिट पोल देखा। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में भाजपा की डबल इंजन सरकारें खत्म हो रही हैं। पहला इंजन जून में फेल हुआ था, जब उन्हें 240 सीटें मिलीं।

झारखंड और महाराष्ट्र में भी यही होगा। तब दूसरा इंजन भी फेल हो जाएगा। डबल इंजन सरकार का मतलब महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार है। दिल्ली में चुनाव आने वाले हैं। दिल्ली में आकर ये (भाजपा) कहेंगे कि डबल इंजन सरकार बना लो।

आप तब पूछना कि 10 साल हरियाणा में डबल इंजन सरकार रही। उन्होंने ऐसा क्या किया है कि लोग उनके नेताओं को अपने गांवों में नहीं जाने दे रहे हैं। केजरीवाल ने कहा, %यूपी में पिछले 7 साल से डबल इंजन की सरकार है। लोकसभा चुनाव में उनकी सीटें आधी हो गईं। मणिपुर में भी 7 साल से डबल इंजन की सरकार है। मणिपुर दो साल से जल रहा है।

सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर पर अनशन की इजाजत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख के सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक और उनके साथियों को दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर अनशन की इजाजत नहीं दी। सोनम ने रविवार सुबह × पोस्ट में कहा- एक और अस्वीकृति, एक और निराशा। आखिरकार आज सुबह हमें विरोध प्रदर्शन के लिए आधिकारिक रूप से तय स्थान के लिए ये अस्वीकृति पत्र मिला। सोनम ने कहा- हम एक औपचारिक जगह पर शांतिपूर्ण तरीके से अनशन करना चाहते थे। लेकिन बीते 2-3 दिन से ऐसी कोई जगह हमें नहीं दी गई है। लद्दाख भवन में हमें डिटेन करके रखा गया है। हम यहीं से अनशन कर रहे हैं। सोनम ने कहा- हमारे सारे सैकड़ों लोग लेह से दिल्ली चलकर आए हैं। इनमें महिलाएं, भूतपूर्व सैनिक, 75 साल के भी वृद्ध शामिल हैं। हम सभी लद्दाख भवन में अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठेंगे। दरअसल, सोनम और उनके साथ मौजूद लोग लद्दाख को पूर्ण राज्य बनाने, स्थानीय लोगों के लिए नौकरी में आरक्षण, लेह और कारगिल के लिए एक-एक संसदीय सीट और संविधान की छठी अनुसूची लागू करने की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस-एनसी अलायंस में आने को तैयार पीडीपी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल जारी होने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रेसिडेंट फारूक अब्दुल्ला ने खुशी जताई है कि एनसी और कांग्रेस मिलकर सरकार बनाते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीडीपी हमसे जुड़ने के लिए तैयार है, ये बेहद अच्छी बात है। दरअसल, एग्जिट पोल सामने आने के बाद पीडीपी नेता जुहैब यूसुफ मीर ने बयान दिया कि भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के लिए वे नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के साथ गठबंधन करने को तैयार हैं। पीडीपी नेता के इस बयान को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें बधाई हो। उनकी सोच अच्छी है, हम सभी एक राह पर हैं। नफरत को हमें खत्म करना है और जम्मू-कश्मीर को इकट्ठा रखना है।शनिवार को जारी हुए एग्जिट पोल्स में एनसी-कांग्रेस की सरकार बनती नजर आ रही है। 10 पोल में से 5 नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन की सरकार बना रहे हैं, जबकि 5 में वह बहुमत से 10 से 15 सीटें दूर दिख रही है। पार्टी को 40 सीटें मिलने का अनुमान है। भाजपा 30 सीटें ला सकती है। पीडीपी और अन्य को 10-10 सीटें आएंगी। एग्जिट पोल पर फारूक बोले थे- 8 अक्टूबर को नतीजे सामने आ जाएंगे फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को एग्जिट पोल पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि 8 अक्टूबर को सारे नतीजे आपके सामने होंगे, बक्से खुलेंगे और हमें पता चल जाएगा कि कौन कहां खड़ा है, लेकिन मैं इतना जरूर जानता हूं कि कांग्रेस-एनसी गठबंधन बहुमत से सरकार बनाएगा।

दौसा में भीड़ में घुसा डंपर, 5 की मौत

लालसोट (दौसा)(एजेंसी)। दौसा जिले के लालसोट बस स्टैंड पर तेज रफ्तार डंपर ने कई बाइक सवारों को कुचल दिया। जानकारी के अनुसार हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि डंपर का ब्रेक फेल हुआ था। इसके बाद वह बस से भिड़ा और भीड़ में घुस गया। दोनों ही वाहनों के नीचे 15 लोग दब गए थे। 10 गंभीर घायलों को लालसोट और दौसा के जिला हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। जानकारी के अनुसार एक्सीडेंट सुबह 11.30 बजे हुआ। बस व डंपर के नीचे फंसे घायलों को निकालने के लिए क्रेन की मदद ली गई। स्थानीय नेताओं ने हादसे के लिए पुलिस-प्रशासन को जिम्मेदार बताया है। कांग्रेस नेता कमल मीणा ने कहा कि सुबह 8 से रात 8 बजे तक इस इलाके में बड़े वाहनों की नो एंट्री है, लेकिन ऐसे बजरी से भरे डंपर भीड़ भरे इलाकों में घुस रहे हैं। ये सभी बड़े लोगों के डंपर हैं और राजनीतिक शह पर चल रहे हैं। पुलिस प्रशासन इस घटना के लिए जिम्मेदार है। तीन दिन पहले लालसोट के सारे व्यापारी सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक इसी समस्या को लेकर धरने पर बैठे थे, लेकिन एसपी सहित किसी ने ध्यान नहीं दिया। लालसोट जिला अस्पताल के सीएमएचओ डॉ. सीताराम मीणा ने बताया कि 15 लोगों को अस्पताल लाया गया था। इनमें से 4 की पहले ही मौत हो चुकी थी। हादसे में घायल एक और व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हुई है। मृतकों में लक्ष्मी महावर(14), रेवड़ (33) पुत्र गेंडालाल, महेश चंद्र शर्मा और रामहरि योगी की पहचान हुई है। वहीं, घायलों अजय (33) पुत्र जेनेंद्र, कस्तूरी (34) पत्नी रामफूल, पप्पू (50) पुत्र बहरूपिया, बिरमा (45) पत्नी जगदीश, महावर, मानसिंह (14) पुत्र बजरंग, उर्मिला (40) पत्नी शंभूदयाल और पूजा (30) को दौसा और दूसरे हॉस्पिटल में रेफर किया गया है।

मुंबई में आग से 3 बच्चों समेत 7 की मौत

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के चेंबूर इलाके के सिद्धार्थ कॉलोनी में 3 मंजिला इमारत में आग लग गई। इससे एक ही परिवार के 3 बच्चों समेत 7 लोगों की जलकर मौत हो गई। घटना रविवार सुबह 5ः20 बजे की है। चश्मदीदों ने बताया कि ग्राउंड फ्लोर पर बनी दुकान आग में भड़की। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। देखते ही देखते आग ऊपर की मंजिल तक पहुंची, लेकिन वहां रह रहे लोगों को रेस्क्यू नहीं किया जा सका। फायर ब्रिगेड ने करीब 9 बजे तक आग पर काबू पाया, जिसके बाद अंदर फंसे सभी 7 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल आग लगने के कारण का पता नहीं चल पाया है। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किटिंग के कारण लगी। शॉर्ट सर्किट से दुकान में धमाका हुआ और आग पूरी इमारत में फैली। चश्मदीद बोले- सभी 7 लोगों की बॉडी बुरी तरह झुलसी हुई थी मृतकों की पहचान पेरिस गुप्ता (7 साल), मंजू प्रेम गुप्ता (30 साल), अनीता गुप्ता (39 साल), प्रेम गुप्ता (30 साल) और नरेंद्र गुप्ता (10 साल), विधि गुप्ता (15 साल) और गीतादेवी गुप्ता के रूप में की गई है। चश्मदीदों ने बताया कि इन सभी की बॉडी बुरी तरह झुलसी हुई थी। आग लगने के बाद इन्हें भागने का मौका नहीं मिला। बिल्डिंग में अंदर जाने का एक ही रास्ता मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मकान में अंदर जाने का एक ही रास्ता था। आग की ऊंची लपटें देखकर पड़ोसी अंदर फंसे परिवार को रेस्क्यू नहीं कर पाया। फायर ब्रिगेड भी घर के बाहर से आग बुझा पाए। आग बुझाने तक वे अंदर नहीं जा सके।

इसी वजह से समय रहते परिवार को रेस्क्यू नहीं किया जा सका।

विनेश-सीएम सैनी की सीट पर वोटिंग आंकड़े बढ़े

हरियाणा (एजेंसी)। हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर कल शनिवार (5 अक्टूबर) को 67.90 प्रतिशत वोटिंग हुई। नतीजे 8 अक्टूबर को आएंगे। इस चुनाव में 10 ऐसी सीटें हैं, जिन पर सबकी नजर लगी हुई है। इन 10 में से 5 सीटों पर रात 12 बजे के बाद रविवार को आंकड़ा अपडेट है। इन सीटों में ह्रूनायब सैनी, विनेश फोगाट, श्रुति चौधरी, भव्य बिश्नोई और गोपाल कांडा की सीट शामिल है। पिछले 2 चुनाव के वोटिंग प्रतिशत के लिहाज से देखें तो नायब सैनी लाडवा और विनेश फोगाट जुलाना में सेफ नजर आ रही हैं। भूपेंद्र हुड्डा भी जीत सकते हैं लेकिन इसका अंतर कम हो सकता है। आरती राव भी पॉलिटिकल डेब्यू में अच्छी स्थिति में नजर आ रही हैं। हालांकि अनिल विज और दुष्यंत चौटाला के लिए टेंशन दिख रही है। भव्य बिश्नोई और श्रुति चौधरी को परिवार की विरासत का साथ मिले, तभी उनकी राह आसान हो सकती है। गोपाल कांडा और देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल भी मुश्किल में फंसी नजर आ रही हैं।

भाजपा सरकार में सीएम नायब सैनी करनाल से बदलकर कुरुक्षेत्र की लाडवा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट पर 74.96 प्रतिशत मतदान हुआ। 2019 में यहां 75.4 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। सीएम सैनी की सीट पर 0.44 प्रतिशत वोटिंग कम हुई है। 2014 की बात करें तो इस सीट पर 83.1व वोटिंग हुई थी। पिछले 2 चुनाव का ट्रेंड देखें तो यहां जब भी मतदान घटा तो नई पार्टी का उम्मीदवार चुनाव जीता है। इस लिहाज से सीएम सैनी के जीतने के अच्छे आसार नजर आ रहे हैं क्योंकि 2019 में यहां कांग्रेस के मेवा सिंह विधायक थे।

पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा की गढ़ी सांपला किलोई में 67.02 प्रतिशत वोटिंग हुई। 2019 में यहां 73.3 प्रतिशत और 2014 में यहां 74.8व वोटिंग हुई थी। हालांकि दोनों ही बार भूपेंद्र हुड्?डा ही जीत हुई। 2019 में हुड्डा की जीत का अंतर 58312 और 2014 में 47,185 रहा था। यह सीट हुड्?डा का गढ़ है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस, जूनियर डॉक्टर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के खिलाफ छह जूनियर डॉक्टरों ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। डॉक्टरों ने 4 अक्टूबर को धर्मतला इलाके में डोरिना क्रॉसिंग पर धरना प्रदर्शन शुरू किया था। उन्होंने अपनी मांगों को पूरा करने के लिए ममता सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। राज्य सरकार को दी गई डेडलाइन शनिवार, 5 अक्टूबर की रात 8.30 बजे खत्म हो गई। इसके बाद पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर फ्रंट के 6 प्रतिनिधियों ने आमरण अनशन शुरू कर दिया। जूनियर डॉक्टर्स हेल्थ सेक्रेटरी एनएस निगम को हटाने, स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार के लिए जवाबदेही तय करने समेत अपनी 9 मांगों पर अड़े हैं। डॉक्टरों ने बताया कि वे भूख हड़ताल की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए मंच पर सीसीटीवी लगाएंगे, ताकि हर कोई देख सके कि वहां क्या हो रहा है सरकार ने 5 में 3 मांगें मानी थीं, डॉक्टर्स काम पर लौट गए थे बंगाल के जूनियर डॉक्टरों ने रेप-मर्डर घटना के खिलाफ 10 अगस्त से 21 सितंबर तक 42 दिन तक हड़ताल की थी। डॉक्टरों ने सरकार के सामने 5 मांगें रखीं थीं। इनमें से सरकार ने 3 मांगें मान लीं थीं। सीएम ममता ने दो अन्य मांगों और शर्तों पर विचार करने का आश्वासन दिया था। इसके बाद डॉक्टरों ने हड़ताल खत्म कर दी थी। वे अस्पतालों में काम पर लौट गए थे। 27 सितंबर को सागोर दत्ता हॉस्पिटल में 3 डॉक्टरों और 3 नर्सों से पिटाई का मामला सामने आया, जिससे नाराज होकर डॉक्टरों ने 1 अक्टूबर को फिर से हड़ताल शुरू कर दी थी।

सरफराज खान बने प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरानी कप 2024 में मुंबई का सामना रेस्ट ऑफ इंडिया के साथ हुआ। ये मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ लेकिन पहली पारी में बढ़त के कारण मुंबई को विजेता घोषित किया गया और अंजिक्य रहाणे की कप्तानी में टीम ने 27 साल बाद ईरानी कप का खिताब अपने नाम किया। ये 15वीं बार है जब मुंबई ने ये खिताब जीता है। वहीं रहाणे की कप्तानी में ये पहला मौका था जब मुंबई ने इस खिताब को हासिल किया। इस मैच में सरफराज खान को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस दौरान सरफराज खान ने पहली पारी में दोहरा शतक लगाया था, सरफराज ने नाबाद 222 रन बनाए थे। मुंबई ने पहली पारी में बैटिंग करते हुए ऑल आउट होने तक 537 रन बनाए।

इसके जवाब में रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहली पारी में 416 रन बनाए। उसके लिए अभिमन्यु ईश्वरन ने 191 रनों की शानदार पारी खेली। ईश्वरन ने 16 चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद एक बार फिर से मुंबई की टीम बैटिंग के लिए मैदान पर उतरी, उसने दूसरी पारी में 8 विकेट के नुकसान के साथ 329 रन बनाए। इस पारी में तनुष कोटियान ने शतक जड़ा। उन्होंने नाबाद 114 रन बनाए।

वहीं ओपनर बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने भी दूसरी पारी में टीम के लिए अहम 76 रन बनाए। दूसरी पारी में रेस्ट ऑफ इंडिया के गेंदबाज शारांश जैन ने दमदार गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट अपने नाम किए। इस मैच की पहली पारी में रेस्ट ऑफ इंडिया के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने भी 5 विकेट चटकाए।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने बताया भारत के सबसे बड़े स्लेज करने वाले खिलाड़ी का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले महीने नवंबर से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज होना है। इस सीरीज के लिए दोनों ही टीमें तैयारी में जुटी हुई हैं। हाल ही में स्टार स्पोर्ट्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों से मौजूदा टीम इंडिय के सबसे बड़े स्लेज करने वाले खिलाड़ी के बारे में पूछा गया। इस दौरान कई खिलाड़ियों ने विराट कोहली का नहीं बल्कि ऋषभ पंत का नाम लिया। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अक्सर अपने चुलबुले और मजाकिया अंदाज के लिए जाने जाते हैं। वह मैदान पर कुछ न कुछ कहते हुए दिखते हैं फिर चाहे वो अपने ही टीम के खिलाड़ी हों या फिर अन्य टीमों के, वह स्टंप के पीछे से किसी को भी नहीं बख्शते हैं। मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, नाथन लियोन, पैट कमिंस, उस्मान ख्वाजा, ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन ने पंत को टीम इंडिया का सबसे बड़ा स्लेज करने वाला खिलाड़ी बताया। टेस्ट क्रिकेट में पंत की विकेटकीपिंग के साथ-साथ हर कोई उनकी स्लेजिंग का फैन भी है।

अक्सर उनकी स्लेजिंग के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। 2018-19 ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तो टिम पेन और पंत के बीच जमकर स्लेजिंग भी देखने को मिली थी। इस वीडियो में बेबी सिटर वाली स्लेजिंग पर पंत का रिएक्शन भी है।

पंत ने साथ ही बताया कि वह सोचकर स्लेज नहीं करते, वह प्यार से स्लेज करते हैं।

एचआईएल की वापसी से उत्साहित हैं भारतीय कप्तान-हरमनप्रीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान और शीर्ष ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने अपने करियर के विकास में अहम भूमिका निभाने के लिए हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) को श्रेय दिया। हरमनप्रीत ने 234 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 205 गोल किए हैं। 2017 एचआईएल में 'अपकमिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुने जाने से लेकर दुनिया के शीर्ष ड्रैग-फ्लिकरों में से एक बनने तक हरमनप्रीत के लिए यह एक शानदार यात्रा रही है। उन्होंने बताया कि कैसे इस लीग ने अंतरराष्ट्रीय स्तर के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने के बाद उन्हें आगे बढ़ने में मदद की है। हरमनप्रीत ने हॉकी इंडिया (एचआई) की विज्ञप्ति में कहा, ''हॉकी इंडिया लीग मेरे विकास का एक बड़ा हिस्सा था। लीग ने मुझे विभिन्न कोचों के अंतर्गत अलग खेल शैलियों से अवगत कराकर अपने कौशल को बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान किया।'' उन्होंने कहा, ''लीग में खेलने से और विभिन्न देशों के खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने से आपका दिमाग खुलता है और आपको सोचने के कई दृष्टिकोण और तरीके प्रदान करता है।'' हरमनप्रीत ने कहा, ''यह सब भारतीय हॉकी के पुनरुत्थान में अहम हिस्सा था और इसने निश्चित रूप से तोक्यो ओलंपिक में हमारे प्रदर्शन को प्रभावित किया जहां हमने कांस्य पदक जीता।'' हरमनप्रीत ने कहा कि भारतीय हॉकी के लिए एचआईएल से बेहतर कुछ नहीं हो सकता और देश के सभी खिलाड़ी इस लीग में हिस्सा लेने के लिए उत्साहित होंगे।

श्रीजेश को आगामी हॉकी इंडिया लीग के लिए दिल्ली फ्रेंचाइजी में हॉकी निदेशक नियुक्त किया गया

नोएडा (एजेंसी)। महान भारतीय गोलकीपर पीआर श्रीजेश को आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के लिए दिल्ली फ्रेंचाइजी में हॉकी निदेशक नियुक्त किया गया। एपीएल अपोलो समूह का हिस्सा 'एसजी स्पोर्ट्स, मीडिया एंड एंटरटेनमेंट' (एसजीएसई) ने एचआईएल के लिए दिल्ली टीम का अधिग्रहण किया है जिसका नाम दिल्ली एसजी पाइपर्स रखा गया है। एचआईएल सात साल बाद फिर से शुरू होगी। इस कॉर्पोरेट घराने ने दिल्ली की पुरुष और महिला दोनों टीमों को खरीद लिया है। लीग 28 दिसंबर से शुरू होगी तथा दो स्थानों राउरकेला (पुरुष) और रांची (महिला) में आयोजित की जाएगी। पुरुषों की प्रतियोगिता में आठ टीमें होंगी जबकि पहली बार आयोजित होने वाली महिला स्पर्धा में छह टीमें हिस्सा लेंगी। लीग 28 दिसंबर से एक फरवरी तक खेली जाएगी। खेल की विश्व नियामक संस्था एफआईएच ने एचआईएल को 10 साल की मंजूरी दी है। लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक यहां होगी। कुल 10 फ्रेंचाइजी मालिक इसमें शामिल हुए हैं।

रोहित शर्मा पत्नी रितिका के साथ अबु धाबी में एनबीए का उठा रहे लुत्फ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतकर अबु धाबी में अपनी छुट्टियां मना रहे हैं। इसके बीच अबु धाबी में हो रहे एनबीए की उनकी कई तस्वीरें वायरल हो रही हैं। इस दौरान रोहित अपनी पत्नी रितिका के साथ हैं और उनकी महान फुटबॉलर गोलकीपर इकर कैसिलास के साथ एक तस्वीर भी वायरल हो रही है।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतकर अबु धाबी में अपनी छुट्टियां मना रहे हैं। इसके बीच अबु धाबी में हो रहे एनबीए की उनकी कई तस्वीरें वायरल हो रही हैं। बता दें कि, भारत और बांग्लादेश के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जानी है। लेकिन रोहित शर्मा इस सीरीज में नहीं खेलेंगे क्योंकि वह इंटरनेशनल टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। इस दौरान रोहित अपनी पत्नी रितिका के साथ हैं और उनकी महान फुटबॉलर गोलकीपर इकर कैसिलास के साथ एक तस्वीर भी वायरल हो रही है।

अबू धाबी के एतिहाद एरिना में हो रहे एनबीए गेम में 4 अक्टूबर को डेनवर नगेट्स और बोस्टन सेल्टिक्स के बीच मैच था। इस दौरान रोहित अपनी पत्नी रितिका के साथ वहां मौजूद थे। एनबीए ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रोहित शर्मा की फोटो शेयर की। इसके साथ कैप्शन में लिखा कि, भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले न्यूयॉर्क में एक खास मौके पर लैरी ओ ब्रायन ट्रॉफी से मुलाकात की। इसके बाद वे अबू धाबी में आयोजित एनबीए गेम्स में भी शामिल हुए।

हार्दिक पंड्या के निशाने पर ये रिकॉर्ड, तोड़ दिया तो बन जाएंगे टी20 के नंबर 1 गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया रविवार से बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए मैदान पर उतरेगी। रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारत ने बांग्लादेश को दो मैच की टेस्ट सीरीज में 2-0 से हराया। इसके अब सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इस लय को बरकरार रखने की उतरेगी। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या श्रीलंका के खिलाफ अगस्त में हुई टी20 सीरीज के बाद पहली बार टीम के लिए खेलते हुए नजर आएंगे। वहीं हार्दिक के सामने टी20 सीरीज के दौरान एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम करने का बड़ा मौका होगा। हार्दिक पंड्या के पास युजवेंद्र चहल द्वारा बांग्लादेश के खिलाफ टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने के रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका है। बांग्लादेश के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में हार्दिक ने 6 विकेट लिए हैं। अगर वह इसी सीरीज में चार विकेट लेने में कामयाब हो जाते हैं तो वह भारत के लिए बांग्लादेश के खिलाफ टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। वह बांग्लादेश के खिलाफ 10 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बनेंगे। साथ ही इस लिस्ट में दीपक चाहर का नाम भी शामिल है। दीपक ने आठ विकेट लिए हैं, वॉशिंगटन सुंदर के नाम 7 और अश्विन ने 6 विकेट झटके हैं। हार्दिक पंड्या ने अंतर्राष्ट्रीय टी20 में 86 विकेट लिए हैं। उनके पास भुवनेश्वर कुमार को पीछे छोड़ने का सुनहरा मौका है। वहीं भुवनेश्वर कुार टी20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। हार्दिक के पास भुवनेश्वर को पीछे छोड़ने के लिए सिर्फ पांच विकेट चाहिए। अगर हार्दिक इस सीरीज में 11 विकेट अपने नाम करते हैं तो वह युजवेंद्र चहल को पछाड़ कर टी20 इंटरनेशनल में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे।

वर्ल्ड कप में एक बार फिर भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। वमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज हो चुका है, वहीं टीम इंडिया की शुरुआत बेहद खराब रही। उसे अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड से शिकस्त मिली। अब दूसरे मुकाबले में उसकी टक्कर पाकिस्तान की महिला टीम से होगा। फैंस को इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार है। टी20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमों के बीच हुई भिड़ंत में भारतीय टीम का पहला भारी रहा है। टी20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमें 7 बार टकराई हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 5 मैच जीते हैं और पाकिस्तान टीम ने 2 पर कब्जा जमाया है। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बॉडकास्ट राइट भारत में स्टार स्पोर्ट्स के पास हैं। ऐसे में इस मैच का लाइव प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स के सभी अलग-अलग चैनलों पर होगा। जबकि इस मुकाबले की लाइव स्ट्रीमिंग हॉटस्टार + डिज्नी ऐप पर देख सकते हैं।

मयंक की फॉर्म और फिटनेस की होगी परीक्षा, युवा खिलाड़ियों के पास कौशल दिखाने का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच सोमवार से ग्वालियर में शुरू होने वाली तीन मैच की टी20 सीरीज में अपनी तेज गेंदबाजी के कारण क्रिकेट जगत का ध्यान खींचने वाले मयंक यादव की फॉर्म और फिटनेस की परीक्षा होगी जबकि अन्य युवा खिलाड़ियों के पास भी अपनी चमक बिखेरने का यह शानदार मौका होगा। मयंक ने इस साल के शुरू में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान लगातार 150 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी करके लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा था लेकिन पसलियों में खिंचाव के कारण उन्हें टूर्नामेंट के बीच से ही हटना पड़ा था। अमूमन किसी भी खिलाड़ी को राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए घरेलू क्रिकेट में अपनी फिटनेस साबित करनी पड़ती है लेकिन 22 वर्षीय मयंक को उनके विशेष कौशल के कारण भारतीय टीम में जगह दी गई है। बांग्लादेश के खिलाफ

श्रृंखला में उनकी फॉर्म और फिटनेस की परीक्षा होगी। अभी यह देखना होगा कि उन्होंने जिस सटीकता और नियंत्रण के साथ आईपीएल में गेंदबाजी की थी वह उसी की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गेंदबाजी कर सकते हैं या नहीं। मयंक के अलावा बांग्लादेश के खिलाफ इस श्रृंखला में दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और ऑलराउंडर नीतीश कुमार को भी भारत की तरफ से पदार्पण का मौका मिल सकता है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला को देखते हुए शुभमन गिल, ऋषभ पंत, यशस्वी जयसवाल, मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 श्रृंखला से विश्राम दिया गया है। कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या टीम में शामिल दो बड़े नाम हैं। उनके अलावा टी20 विश्व कप की विजेता टीम में शामिल रहे शिवम दुबे और अर्शदीप सिंह को भी इस श्रृंखला के लिए टीम में चुना गया है। सीनियर खिलाड़ियों को विश्राम दिए जाने के कारण अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ियों के पास अपना कौशल दिखाने का यह बेहतरीन मौका है। अभिषेक ने जिंबॉब्वे के खिलाफ शतक लगाया था। बांग्लादेश के खिलाफ उनके साथ संजू सैमसन पारी की शुरुआत कर सकते हैं। रियान पराग को जुलाई के बाद भारत की तरफ से छह टी20 मैच में खेलने का मौका मिला है लेकिन वह इनमें आईपीएल जैसी फॉर्म नहीं दिखा पाए। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी इस श्रृंखला से वापसी करेंगे।

रवि बिश्नोई टीम में शामिल दूसरे विशेषज्ञ स्पिनर हैं। रिजर्व विकेटकीपर के रूप में चुने गए जितेश शर्मा ने जून में आईपीएल के बाद कोई मैच नहीं खेला है।

उन्हें अभी तक जिन नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने का मौका मिला है उनमें वह अपना जलवा दिखाने में नाकाम रहे हैं।

कर्स्टन स्वदेश लौटे, पाकिस्तान के सीमित ओवरों के कप्तान के नाम की घोषणा में विलंब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमित ओवरों के प्रारूप के लिए पाकिस्तान के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन चैम्पियंस कप में पाकिस्तान के खिलाड़ियों की स्थिति का आकलन करने और देश में क्रिकेट की स्थिति पर चयनकर्ताओं तथा बोर्ड अधिकारियों के साथ कई बैठकों के बाद अपने देश दक्षिण अफ्रीका लौट गये। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इस महीने के अंत में सफेद गेंद प्रारूप में कप्तान बाबर आजम के उत्तराधिकारी की घोषणा करेगा। बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया, ''कर्स्टन ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए 29 अक्टूबर को सीधे मेलबर्न में पाकिस्तान टीम से जुड़ेंगे।'' पाकिस्तान को नवंबर-दिसंबर में इन तीन देशों में कुल 18 मैच (नौ वनडे और इतने ही टी20 मैच) खेलने हैं, जिसकी शुरुआत चार नवंबर को मेलबर्न में पहले वनडे से होगी। विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी सीमित ओवर प्रारूप में पाकिस्तान के कप्तानी के दावेदार हैं। बोर्ड के एक करीबी सूत्र ने कहा, ''कर्स्टन और यहां तक कि जेसन गिलेस्पी ने कप्तानी के मुद्दे पर चयन समिति के अन्य लोगों के साथ चर्चा की है, लेकिन इसका फैसला भविष्य और

संभावित उम्मीदवारों के व्यवहार और हालिया प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा।'' इस सूत्र ने कहा कि रिजवान पाकिस्तान के सफेद गेंद के कप्तान बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं और एक युवा खिलाड़ी टीम का उप कप्तान होगा ताकि टीम प्रबंधन उनके कार्यभार का प्रबंधन कर सके।

माता शारदा के दरबार में पहुंचे पांच लाख श्रद्धालु

प्रभारी मंत्री और वन राज्य मंत्री ने भी किए देवी शारदा के दर्शन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। चित्रकूट पर्वत पर विराजित माता शारदा के दर्शन के लिए देश भर से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। नवरात्रि के चार दिनों में अब तक लगभग 5 लाख भक्तों ने मैहर पहुंचकर माता शारदा के दरबार मे हाजिरी लगाई है। रविवार को मैहर की प्रभारी मंत्री राधा सिंह और प्रदेश के वन राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने भी मातारानी के चरणों में मत्था टेका।

मैहर की प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने रविवार को अपने प्रवास के दौरान माता शारदा के दरबार मे हाजिरी लगाई। उन्होंने माता रानी का दर्शन पूजन कर कृपा प्राप्ति की कामना की। रविवार को ही प्रदेश के वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार भी मैहर पहुंचे और उन्होंने भी माता के दरबार मे उपस्थिति दर्ज कराते हुए मत्था टेका।

चौथे दिन दोपहर तक पहुंचे डेढ़ लाख भक्त: शारदीय नवरात्रि के चार दिनों में अब तक लगभग 5 लाख श्रद्धालु मातारानी के चरणों मे अपनी आस्था समर्पित कर चुके हैं। छुट्टी के दिन रविवार को दोपहर तक लगभग डेढ़ लाख भक्तों ने माता शारदा के दर्शन किए। पहले दिन भी लगभग डेढ़ लाख भक्तों ने मंदिर पहुंच कर मत्था टेका था। श्रद्धालु मंदिर तक सीढ़ियों और रोप वे के अलावा मंदिर समिति की तरफ से चलाई जाने वाली वैन के माध्यम से भी पहुंच रहे हैं। सर्वाधिक भक्त सीढ़ियों के जरिए पर्वत शिखर पर विराजित देवी शारदा के दर्शन करने जा रहे हैं।

मेले और श्रद्धालुओं की सुविधा-सुरक्षा के लिहाज से पुलिसिया और प्रशासनिक तौर पर यहां व्यापक प्रबन्ध किए गए हैं। कलेक्टर, एसपी, एडीएम, एडिशनल एसपी, एसडीएम और सीएसपी लगातार व्यवस्था का निरीक्षण कर जायजा ले रहे हैं। इसके अलावा तमाम प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है।

यूनाइटेड नेशन की डब्ल्यू टीएसए 2024 में रामनगर के अभिषेक का चयन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। यूनाइटेड नेशन (यूएन) की इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (आई टी यू) के तत्वावधान में आयोजित होने वाली वर्ल्ड टेलीकम्युनिकेशन स्टैंडरडाइज़ेशन एसेंबली (डब्ल्यू टी एस ए) 2024 में रामनगर के अभिषेक पटेल का चयन हुआ है। अभिषेक, राजेंद्र प्रसाद पटेल के पुत्र हैं एवम् वर्तमान में राष्ट्रीय महत्व के संस्थान ट्रिपल आईटीडीएम जबलपुर से एंटेना के विषय में पीएच. डी. कर रहें हैं। यह उपलब्धि इन्होंने अपने पीएच. डी. गाइड एवम् डॉ. मातादीन बंसल, विभाग प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के मार्गदर्शन में रहते हुए प्राप्त की है। बताते चलें कि यह संगोष्ठी प्रत्येक चार वर्ष में आईटीयू द्वारा आयोजित की जाती है, एवम् आईटीयू के 150 साल के इतिहास में पहली बार भारत में इस विश्वस्तरीय संगोष्ठी का आयोजन नई दिल्ली में 14 से 24 अक्टूबर के मध्य किया जा रहा है। इस संगोष्ठी में 190 से भी अधिक देशों के लीडर एवं टेलीकॉम एक्सपर्ट निकट भविष्य में होने वाले टेलीकॉम क्षेत्र की प्रगति की रूपरेखा के विषय में चर्चा करेंगे एवम् अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

दीपावली मेले के लिए यूपी प्रशासन अलर्ट

मध्य प्रदेश प्रशासन के उदासीन रवैये से लोग परेशान, कहा- सौतेला व्यवहार हो रहा है

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। दीपावली अमावस्या पर धर्मनगरी चित्रकूट में लगने वाले विशाल मेले की तैयारियां चल रही है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार जहां रामघाट और आसपास के क्षेत्रों को चमकाने और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही है, वहीं मध्य प्रदेश प्रशासन की उदासीनता लोगों को परेशान कर रही है।

मध्य प्रदेश के हिस्से में आने वाली धर्मनगरी की सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढ़े हैं और यात्रियों के लिए बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी है। बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने मध्य प्रदेश सरकार पर तीर्थ क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया है। उन्हौंने कहा कि मेले में करीब 50 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, लेकिन तैयारियां न के बराबर हैं।

हनुमान धारा बाईपास से लेकर मध्य प्रदेश बस अड्डे तक सड़कें खस्ताहाल हैं और रामघाट पर कोई खास व्यवस्था नहीं की गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने रामघाट को दूधिया रोशनी से सजाने के लिए नई लाइटें लगवाने का काम शुरू कर दिया है। चौराहों के सुंदरीकरण से लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी व्यापक तैयारियां हो रही हैं।

बुंदेली सेना ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से दीपावली के पूर्व यात्रियों की सुविधाओं को दुरुस्त करने की अपील की है। जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

रानी तालाब मंदिर में दर्शन करनें गई महिला के साथ चेन स्नेचिंग

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। रानी तालाब मंदिर में दर्शन के लिए कतार पर लगी एक महिला के साथ चेन स्नेचिंग की घटना हो गई। जिसके बाद वहां अफरा तफरी मच गई। चिरहुला कॉलोनी निवासी महिला के गले से सोने की चैन किसी ने गायब कर दी। शोर शराबा सुनकर पहुंची पुलिस ने पूंछताछ करते हुए सोने की चैन को बरामद कर लिया। सोने की चैन वहीं पड़ी मिली। पुलिस ने मामले में एक संदेही महिला को हिरासत में लिया है। संदेही महिला से पूछताछ की जा रही है। घटना रविवार सुबह करीब 8 बजे हुई।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारियों के लिये बना संगठन

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। जिले में एक ऐसा संगठन तैयार किया गया है जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारियों के लिए कार्य करेगा। जिसके तहत रीवा सहित देशभर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारियों को संगठित किया जायेगा और उनके लिए संघर्ष करते हुए उनकी समस्याओं को सामने लाएगा।

प्रेमी जोड़े को आपत्तिजनक फोटो दिखाकर कर रहा था ब्लैकमेल

चेहरे और सीने पर बरछी मारकर की हत्या, 4 नाबालिग समेत 8 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सभापुर थाना क्षेत्र में सुतीक्ष्ण आश्रम के पास नेवारी में मृत मिले युवक की हत्या ब्लैकमेलिंग के चक्कर मे उसकी ही बरछी से की गई थी। वारदात को नाबालिगों समेत 8 लोगों ने अंजाम दिया था। पुलिस ने इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए 4 नाबालिगों समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपी रीवा जिले के रहने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक, सभापुर थाना अंतर्गत ग्राम मचखडा निवासी अरुण कुमार त्रिपाठी पिता काशीराम त्रिपाठी (40) की हत्या का सभापुर पुलिस ने खुलासा कर लिया है। अरुण का शव 3 अक्टूबर को नेवारी के पास सड़क किनारे पड़ा मिला था। प्रथम दृष्टया आशंका जताई गई थी कि उसकी हत्या गोली मारकर की गई है, लेकिन पीएम रिपोर्ट में गोली लगने की पुष्टि नहीं हुई थी।

4 नाबालिग समेत 8 आरोपियों से की पूछताछ: सभापुर पुलिस ने अंधे हत्याकांड की जांच और आरोपियों की तलाश के बाद इस मामले में 4 नाबालिगों समेत 8 आरोपियों को बंदी बना लिया। पकड़े गए आरोपियों में रामखेलावन उर्फ रितिक साकेत पिता रन्नू लाल साकेत (24) निवासी सुरसाखुर्द थाना कर्चुलियान जिला रीवा, अमित साकेत पितारामलाल साकेत (24) निवासी रायपुर खैरा नई वस्ती थाना चोरहटा जिला रीवा ,साजन उर्फ संजू साकेत पिता कामता प्रसाद साकेत निवासी सुरसाखुर्द एवं कृष्णा लखेरा पिता संतोष लखेरा (18) निवासी खैरी नईबस्ती थाना चोरहटा शामिल हैं। इनके अलावा 4 नाबालिगों को भी पकड़ा गया है। सभी आरोपी रीवा जिले के रहने वाले हैं।

गर्लफ्रेंड के साथ की फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा था मृतक: पुलिस ने बताया कि आरोपियों से हुई पूछताछ में पता चला कि आरोपी रितिक और संजू अपनी महिला मित्रों के साथ मचखडा पहाड़ की तरफ घूमने आए थे। मृतक ने उनके उस वक्त फोटो खींच लिए थे और वीडियो बना लिया था। मृतक ने उनसे रुपए मांगे थे और न देने पर फोटो वीडियो वायरल कर देने की धमकी दी थी। उस वक्त रितिक और संजू ने उसे 2 हजार रुपए दे भी दिए थे, जबकि मृतक 10 हजार की मांग पर अड़ा था। उसने 8 हजार रुपए और न मिलने पर फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी दी थी। रितिक और संजू ने ये जानकारी घर पहुंचकर अपने दोस्तों को दी थी।

रास्ते में रोककर मांगा मोबाइल तो शुरू हुआ विवाद: मृतक अरुण त्रिपाठी की मांग की जानकारी मिलने पर रितिक और संजू के दोस्तों ने योजना बनाई, जिसके बाद 8 लोग रीवा से अगले दिन यानी 3 अक्टूबर को वापस मचखडा आए और अलग-अलग ग्रुप बना कर सड़क पर खड़े हो गए। उन्होंने अरुण को रुपए देने के बहाने बुलाया और उसके आने पर उससे फोटो-वीडियो डिलीट करने, मोबाइल देने की बात करने लगे। अरुण ने विवाद शुरू कर दिया। वह अपने साथ लाठी में लगी बरछी लेकर चलता था, लिहाजा लपक कर उसने अपनी बाइक से बरछी निकाल ली। लेकिन उस बरछी को भी आरोपी रितिक ने छीन लिया और उसके अरुण के चेहरे व सीने पर वार कर दिया। अरुण कुछ दूर जा कर लड़खड़ा कर गिर पड़ा और फिर आरोपी उसका मोबाइल व बरछी लेकर वापस रीवा भाग गए।

सीसीटीवी फुटेज से मिला सुराग: इस अंधे हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने की कोशिश में लगी सभापुर पुलिस को आरोपियों का सुराग सीसीटीवी फुटेज से मिला। ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण कैमरे कहीं-कहीं ही लगे थे, फिर भी एक कैमरे में कुछ लड़के बाइक पर घटना के समय तेजी से बड़ा पगार की तरफ से सभापुर तरफ आते दिखाई पड़े। बिरसिंहपुर अस्पताल तिराहे के कैमरे में भी वही लड़के दिखे, उनमें से कुछ के चेहरे और बाइक भी स्पष्ट हुईं। पुलिस ने उनका पता लगाया तो मालूम हुआ कि वे रीवा जिले के सुरसा खुर्द, हिनौता व खैरी के रहने वाले हैं। पुलिस की टीमें वहां पहुंची और संदेह के आधार पर संदेहियों को हिरासत में लेकर जब उनसे पूछताछ की गई तो पूरी कहानी खुलकर सामने आ गई।

सर्प दंश से किशोर की मौत

परिजन बोले- खेत में काम कर रहा था, 2 भाइयों में छोटा था

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट में किशोर की सर्प दंश से मौत हो गई। बच्चे की मौत से परिवार में चीख पुकार मच गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के डेलाऊरा का है।

जानकारी के अनुसार, अमित खेत में काम कर रहा था तभी उसे सांप ने। गंभीर हालत में उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने करीब दो घंटे तक उसका इलाज किया। हालत बिगड़ने पर उसे सतना रेफर कर दिया गया, लेकिन सतना अस्पताल पहुंचने पर अमित ने दम तोड़ दिया।

गांव में शोक की लहर: अमित के पिता हरि मोहन ने बताया कि अमित उनके दो बेटों में सबसे छोटा था। परिवार के इकलौते सहारे हरि मोहन अपने कृषि कार्य से परिवार का भरण-पोषण करते हैं। इस हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

देवी पंडाल में प्रेम प्रसंग को लेकर चाकू बाजी

पहले प्रेमी से बात करने पर नाराज हुआ युवक, 1 गंभीर घायल

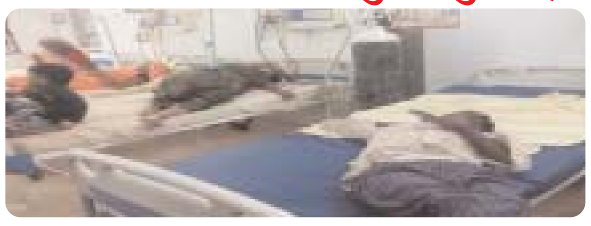

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट जिले के राजपुर थाना क्षेत्र में एक देवी पंडाल में आरती के दौरान प्रेम संबंध के कारण दो गुटों में झगड़ा हो गया। बताया जा रहा है कि चार लड़के एक ही लड़की को लेकर आपस में भिड़ गए। घटना तब शुरू हुई जब युवती अपने पुराने प्रेमी के पास खड़ी हो गई। जिसे देखकर दूसरे प्रेमी को गुस्सा आ गया। पहले बहस हुई, फिर मामला हाथापाई तक पहुंच गया। चाकू निकल आए।

पूरा विवाद प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है: इस झगड़े में लकी और उसका एक नाबालिग साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को बुलाया। घायलों को पहले स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन प्रेमी की हालत गंभीर होने के कारण उसे जिला अस्पताल और फिर प्रयागराज रेफर किया गया। पुलिस के अनुसार, हमले के आरोपी आनंद प्रसाद, गौरव पांडे और कृष्णा रैकवार घटना के बाद फरार हो गए हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि इस घटना के बाद देवी पंडाल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यह पूरा विवाद प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है। पुलिस जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने के प्रयास में जुटी है।

दो दिवसीय कला उत्सव के आखरी दिन उमड़ी भीड़

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। लक्ष्मी एजुकेशन एंड ट्रेनिंग सोसायटी द्वारा स्थानीय कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में दो दिवसीय कला उत्सव का आयोजन किया गया। जिसका समापन रविवार 6 अक्टूबर की शाम हुआ। कला उत्सव में हाथ से बनी विभिन्न सामग्रियों के स्टॉल लगाए गए थे। जिसमें आगामी त्योहारों दशहरा, दीवाली और करवा चौथ से संबंधित सामग्रियां बिक्री के लिए रखी गई थीं। विभिन्न स्टॉलों में रेडीमेड कपड़े, ज्वेलरी, होम डेकोर, खिलौनें सहित पूजा-पाठ से संबंधित सामग्री बेहद ही किफायती दाम पर उपलब्ध कराई गईं। इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंच कर खरीददारी की। सोसायटी की सचिव सोनाली श्रीवास्तव के मुताबिक पिछले चार सालों से ये आयोजन किया जा रहा, जिसमें महिला उद्यामियों को प्राथमिकता दी जाती है।

करंट से युवक की मौत

पोल का सपोर्टर टच होने से हादसा, परिजन बोले- बच्चे के सिर से पिता का उठा साया

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट के मौहुराई गांव में 28 वर्षीय कुलदीप की करंट लगने से मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में मातम छा गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के अनुसार, कुलदीप पुत्र आनंदी अपने घर के दरवाजे पर खड़ा था, तभी उसने गलती से बिजली के खंभे के सपोर्टर को छू लिया, जिसमें करंट था। बिजली का झटका लगते ही कुलदीप झुलस गया। परिवार वालों ने उसे तुरंत एम्बुलेंस की मदद से चित्रकूट जिला अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

तीन भाइयों में सबसे छोटा था: कुलदीप की तीन साल पहले शादी हुई थी और उसका एक साल का बच्चा है। तीन भाइयों में सबसे छोटा होने के कारण कुलदीप परिवार का लाडला था। वह खेती-किसानी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है।

गौरव दिवस की सांस्कृतिक संध्या में रही लोकगीत और नृत्यों की धूम

मैहर जिले की प्रभारी मंत्री हुई कार्यक्रम में शामिल

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रदेश की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री एवं मैहर जिले की प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने मैहर जिले के निवासियों को गौरव दिवस की बधाई और शुभकामनायें देते हुए कहा कि नवगठित मैहर जिले के विकास की असीम संभावनायें हैं। सभी के सहयोग से मैहर जिले को सुन्दर और विकसित जिला बनाया जायेगा। प्रभारी मंत्री श्रीमती सिंह मैहर के गौरव दिवस के अवसर पर उस्ताद अलाउद्दीन खां स्टेडियम में आयोजित समारोह समापन की सांस्कृतिक संध्या में शामिल हुई। उन्होंने गौरव दिवस के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभागी और सहयोगी बच्चों तथा नागरिकों को प्रतीक चिन्ह देकर उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर सतना सांसद गणेश सिंह ने कहा कि मैहर जिला पवित्र तीर्थ स्थल के साथ ही प्रचुर खनिज संपदा और वन संपदा से परिपूर्ण है। मां शारदा की पावन नगरी और उस्ताद अलाउद्दीन खां की कर्मस्थली के रूप में मैहर का नाम पूरे विश्व में जाना जाता है।

गौरव दिवस के समापन अवसर पर मैहर खेल मैदान में आयोजित लोकगीत नृत्य, शास्त्रीय संगीत, नृत्य, वादन, पारंपरिक फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के प्रतिभागियों द्वारा अपनी प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर विंध्य कोकिला मान्या पाण्डेय और विंध्य की प्रसिद्ध लोक गायिका मणि माला सिंह के बघेली गायन की धूम रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने विंध्य कोकिला मान्या पाण्डेय और मणि माला सिंह को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में सांसद गणेश सिंह, विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी, विधायक अमरपाटन डॉ. राजेंद्र कुमार सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह परिहार, मैहर नगरपालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी, जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने, जनपद अध्यक्ष अमरपाटन माया विनीत पाण्डेय, जिला पंचायत सदस्य हरीशकांत त्रिपाठी, जयंती महेश तिवारी, कलेक्टर रानी बाटड, पुलिस अधिक्षक सुधीर अग्रवाल, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, आरती यादव, डॉ. आरती सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।